संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 91
पृष्ठ 8
गुरुवार
18 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- छोटी सी आदत, लेकिन आंखों के....

विचार- दुनिया की दो महाशक्तियों के बीच...

खेल- विदेशी क्रिकेटर से जुड़ा नियम बना...

78 वर्षों से पीएसी बल का इतिहास अनुशासन, शौर्य, त्याग व समर्पण का रहा : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि 78 वर्षों से पीएसी बल का इतिहास अनुशासन, शौर्य, त्याग व समर्पण का रहा है। उन्होंने जवानों से अपील की कि साहस, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, व्यावसायिक दक्षता व कठिन प्रशिक्षण ही आपकी पहचान बननी चाहिए। सरकार आश्वस्त करती है कि आपके सम्मान व सरकार के स्तर पर मिलने वाली सुविधा–संसाधन में निरंतर वृद्धि होती रहेगी। उत्तर प्रदेश के अंदर आत्मविश्वास का प्रमुख कारण कानून का राज है। कानून का राज सुरक्षा के बेहतर माहौल में ही सुशासन की गारंटी दे सकता है। सुशासन में ही निवेश सुरक्षित हो सकता है और सुरक्षित निवेश ही युवाओं की आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बन सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपीपीएसी के स्थापना दिवस समारोह–2025 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने पीएसी द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। सीएम ने 78वर्ष के गौरवशाली इतिहास के लिए पीएसी बल को बधाई दी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में पीएसी बल आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, प्रदेश में महत्वपूर्ण त्योहारों, अतिविशिष्ट महानुभावों के आगमन, लोकतंत्र के महापर्व चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने के साथ ही संवेदनशील परिस्थितियों में अग्रिम मोर्चे पर कार्य करता है। पीएसी के अधिकारी व कार्मिक विभिन्न आयामों के माध्यम से न सिर्फ यूपी, बल्कि देश के अंदर यूपी पीएसी बल, एसएसएफ, यातायात पुलिस, प्रतिसार निरीक्षक ड्यूटी, प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षक, एटीएस व एसटीएफ कमांडो के रूप में सेवाएं प्रदान कर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होने पीएसी बल के अदम्य साहस की चर्चा करते हुये बताया कि 30वीं वाहिनी पीएसी के जवानों ने 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले का जवाब दिया और पांचों आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। जुलाई 2005 में श्रीराम जन्मभूमि परिसर अयोध्या में आतंकी हमले के दौरान सीआरपीएफ, पीएसी और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम ने सभी आतंकियों को मार गिराया गया था। योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने पीएसी की 46 कंपनियों को पुनर्जीवित करते हुए यूपी के अंदर बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखा और आंतरिक सुरक्षा के माध्यम से यूपी की बेहतर छवि को देश के सामने प्रस्तुत करने में सफलता हासिल की। संख्या, क्षमता, प्रशिक्षण, तकनीक के स्तर पर पीएसी की सशक्त बनाने का कार्य निरंतर जारी है। अत्याधुनिक हथियारों व दंगा नियंत्रण उपकरणों से सुसज्जित करते हुए पीएसी को एसएलआर, इंसास राइफल, मल्टीसेल लांचर, एंटी राइड गन, टियर गैस गन समेत अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण भी प्रदान किए गए। उन्होने कहा कि पीएसी कार्मिकों की व्यावसायिक दक्षता में सुधार के लिए पूर्व में प्रशिक्षित पाठ्यक्रम को अपडेट करते हुए एबीसी आदि ग्रेड सुनिश्चित कर उन्हें बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। हमारी सरकार ने पीएसी में 41,893 आरक्षियों व 698 प्लाटून कमांडर की भर्ती की। सीधी भर्ती के अंतर्गत प्लाटून कमांडर के पद पर 1648 तथा आरक्षी के पद पर 15131 अभ्यर्थियों की भर्ती प्रक्रिया वर्तमान में प्रचलित है। इसमें 135 प्लाटून कमांडर की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जा चुका है। शीघ्र ही यह भर्ती भी संपन्न होगी। सेवा के दौरान दिवंगत जवानों के 396 आश्रितों को आरक्षी व 58 आश्रितों को प्लाटून कमांडर के पद पर सेवायोजन प्रदान किया गया। आरक्षी पद हेतु 28 अभ्यर्थियों व प्लाटून कमांडर पर 7 अभ्यर्थियों के सेवायोजन की कार्रवाई वर्तमान में प्रचलित है। पीएसी में पदोन्नति के और अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सशस्त्र पुलिस में 184 निरीक्षकों, 3772 उपनिरीक्षकों के पदों में वृद्धि की गई है। विभागीय प्रोन्नति के अंतर्गत 426 उप निरीक्षक, 4042 मुख्य आरक्षी तथा 13313 आरक्षियों को पदोन्नति दी गई। 352 मुख्य आरक्षी, 1015 आरक्षियों की पदोन्नति कार्रवाई वर्तमान में प्रचलित है। योगी ने कहा कि पुलिस कल्याण योजना के अंतर्गत 31 पुलिस मॉडर्न स्कूल संचालित हैं। पीएसी स्थापना दिवस के अवसर पर पहली बार पुलिस मॉडर्न स्कूलों में भी बेस्ट परफॉर्मेंस (पीएमएस) का चयन किया गया है। पीएसी के जवानों को बाजार से कम दाम पर सामान्य आवश्यकता की वस्तुएं प्राप्त हो सकें, इसके लिए 13 मास्टर कैंटीन व 103 सब्सिडियरी कैंटीन संचलित हैं। पीएसी की 31 वाहिनी में 202 जवानों की आवासीय व्यवस्था के लिए जी प्लस 11, बहुमंजिला बैरकों के निर्माण का कार्य तेजी से बढ़ाया गया है। इसमें से 18 वाहिनियों में कार्य पूर्ण हो चुका है और 13 में निर्माण कार्य प्रगति पर है। पीएसी वाहिनियों में पूर्व निर्मित आवासों की वार्षिक व विशेष मरम्मत के लिए आवश्यक धनराशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि आपदा से निपटने के लिए यूपी में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की छह कंपनियों में 18 टीमें प्रदेश को सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

भारत–इथियोपिया के रिश्ते अब कूटनीतिक साझेदारी के स्तर पर

इथियोपियाई संसद में बोले पीएम मोदी

अदीस अबाबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इथियोपिया दौरे के दूसरे दिन इथियोपिया के अदीस अबाबा में स्थित अदवा विजय स्मारक पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद इथियोपिया की संयुक्त संसद के सत्र को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत और इथियोपिया के खास संबंद और मजबूत दोस्ती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कल मुझे इथियोपिया की तरफ से जो सम्मान मिला– निशान–ए–इथियोपिया उसके लिए मैं प्रधानमंत्री अबी अहमद का आभारी हूं। हम इथियोपिया सरकार और प्रधानमंत्री को शुक्रिया कहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इथियोपिया दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से है। यहां इतिहास पहाड़ियों, गांवों और लोगों के दिलों में भी दिखता है। आज इथियोपिया अपने पैरों पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि पुराने और नए का संगम यह संतुलन इथियोपिया की असम मजबूती है। यह ऊर्जा हम भारतीयों के लिए काफी परिचित है। बता दें कि इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में एक बार फिर खास

नजारा देखने को मिला। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद खुद अपनी कार चलाकर पीएम मोदी को एयरपोर्ट तक छोड़ने पहुंचे। एयरपोर्ट पहुंचने पर प्रधानमंत्री अबी अहमद ने पीएम मोदी को विदाई दी और उनके विमान में सवार होने तक मौजूद रहे। इसके बाद पीएम मोदी ओमान के लिए रवाना हो गए।इस तरह की व्यक्तिगत विदाई को दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्ती और आपसी सम्मान का प्रतीक माना जा रहा है इससे पहले इथियोपिया के संसद को संबोधित करने के दौरान उन्होंने भारत और इथियोपिया के मजबूत होते कूटनीतिक रिश्तों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की कंपनियों ने इथियोपिया में काफी व्यापार की संभावनाएं देखी हैं। यहां भारतीय कंपनियों ने 5 अरब डॉलर से ज्यादा निवेश किया है और यहां कई लोगों को नौकरियां मुहैया कराई हैं। लेकिन मुझे विश्वास है कि हमारे व्यापारिक रिश्तों में अभी काफी संभावनाएं हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमने फैसला किया है कि हमारे द्विपक्षीय रिश्ते अब कूटनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाई जाएगी। इससे हमारी अर्थव्यवस्थाएं साझा तौर पर बढ़ेंगी। खनन, हरित ऊर्जा से लेकर कई और क्षेत्रों में हम साथ काम करेंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य सुरक्षा में भी हम अपने सहयोग को बढ़ाएंगे और खाद्य सुरक्षा के लिए काम करेंगे। हम कृषि क्षेत्र के लिए भी काफी काम कर सकते हैं। हम अपने ज्ञान का इस्तेमाल जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कर सकते हैं।

राहुल गांधी, कांग्रेस महात्मा गांधी के आदर्शों के विरोधी, मनरेगा विवाद पर भाजपा के सीआर केसवन ने उठाए सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने बुधवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलने का बचाव किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वे और उनकी पार्टी महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों के षविपरीतष हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह विधेयक गरीबों और वंचित वर्गों को सशक्त बनाएगा और ग्राम स्वराज के महात्मा गांधी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। एएनआई से बात करते हुए केशवन ने कहा कि महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों के मामले में राहुल गांधी और कांग्रेस एक–दूसरे के विपरीत हैं। महात्मा गांधी ने राम राज्य का सपना देखा था, और कांग्रेस नेता भगवान राम का नाम तक लेने से कतराते हैं। यह विधेयक गरीबों और वंचित वर्गों को सशक्त बनाएगा। यही वह कांग्रेस है जिसने सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा दायर कर दावा किया था कि भगवान राम का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है। महात्मा गांधी के बारे में बोलने का राहुल गांधी और कांग्रेस को क्या अधिकार है? केसवन ने कहा कि लोग राहुल गांधी के दिखावे और पाखंड को भलीभांति देख सकते हैं, और उन्होंने आगे कहा कि संशोधित कानून से श्रमिकों को कई गुना लाभ प्राप्त होंगे।

पार्टनर से भरण–पोषण का हक नहीं, लिव इन रिलेशनशिप पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का बहुत बड़ा आदेश!

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक पुनरीक्षण याचिका खारिज करते हुए फैसला सुनाया कि यदि किसी महिला का पहला या पिछला विवाह कानूनी रूप से भंग नहीं हुआ है, तो वह अपने उस साथी से, जिसके साथ वह लिव–इन रिलेशनशिप में थी, आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत भरण–पोषण का दावा नहीं कर सकती। सूत्रों के अनुसार, एक महिला ने जिला न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें भी भरण–पोषण का अधिकार देने से इनकार कर दिया गया था। अदालत ने माना कि उसका पिछला विवाह कानूनी रूप से वैध बना हुआ है, जिससे बाद का कोई भी संबंध, भले ही विवाह समारोह हुआ हो, अमान्य हो जाता है। इसलिए, वह दीर्घकालिक संबंध के आधार पर भरण–पोषण का दावा नहीं कर सकती, क्योंकि कानून इसे वैध विवाह के रूप में मान्यता नहीं देता है। हाई कोर्ट ने कहा कि यदि विवाह समारोह संपन्न भी हो गया हो, तो भी वह अमान्य होगा क्योंकि आवेदक का पिछला वैवाहिक संबंध अभी भी कायम है। इसलिए, वह दीर्घकालिक संबंध के आधार पर सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण–पोषण का दावा नहीं कर सकती। न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह ने कहा कि इस दावे को स्वीकार करना सीआरपीसी की धारा 125 के उद्देश्य और विवाह संस्था दोनों को कमजोर करेगा।

पीएम मोदी, अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए

राहुल–सोनिया को कोर्ट से राहत के बाद बोले मल्लिकार्जुन खड़गे

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार सुबह भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को इस्तीफा दे देना चाहिए। आपको बता दें कि दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। आरोपपत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम शामिल किया गया है। बुधवार सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले का उद्देश्य गांधी परिवार को परेशान करना है और यह राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से दायर किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अदालत का यह फैसला नरेंद्र मोदी और अमित शाह के मुंह पर तमाचा है। उन्हें इस्तीफा देकर यह कहना चाहिए कि भविष्य में वे

जनता को परेशान नहीं करेंगे। नेशनल हेराल्ड मामले को "झूठा" बताते हुए खार्गे ने कहा कि इसे राजनीतिक प्रतिशोध और दुर्भावना की भावना से आगे बढ़ाया गया है। खरगे ने कहा कि इस अखबार की शुरुआत 1938 में स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी, जिसे भाजपा सरकार अब मनी लॉन्ड्रिंग जैसी चीजों से जोड़कर बदनाम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि सच तो यह है कि इस मामले में कोई सच्चाई नहीं है, फिर भी भाजपा इसे मुद्दा बनाकर कांग्रेस पार्टी के नेताओं को परेशान करने की कोशिश कर रही है। खरगे ने इस आरोप को भी दोहराया कि मौजूदा सरकार ईडी के मामलों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को राजनीतिक लाभ के लिए निशाना बनाने के लिए कर रही है, लेकिन अदालत के हालिया फैसले से न्याय के पक्ष में फैसला आया है। उन्होंने कहा कि सत्य की जीत हुई है। हम इस फैसले का तहे दिल से स्वागत करते हैं। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर आरोप पत्र का संज्ञान लेने से इनकार करते हुए कहा कि आरोप पत्र का न्यायिक संज्ञान लेना और गांधी परिवार को तलब करना कानूनन अनुचित है।

अहमदाबाद के तीन स्कूलों को बम की धमकी मिली

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद के तीन स्कूलों को आज ईमेल के ज़रिए बम की धमकी मिली। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के जॉइंट पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल ने बताया कि पुलिस टीमें संबंधित स्कूलों में मौजूद हैं। बुधवार सुबह अहमदाबाद के कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिलने से दहशत फैल गई और छात्रों को बाहर निकाला गया, क्योंकि पुलिस, फायर सर्विस और बम निरोधक टीमों ने पूरे शहर में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने बताया कि जिन स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले, उनमें वेजलपुर–जीवराज पार्क में ज़ाइडस स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस, ज़ेबर स्कूल फॉर चिल्ड्रन, महाराजा अग्रसेन विद्यालय और डीएवी इंटरनेशनल स्कूल शामिल हैं। इसके तुरंत बाद, निर्माण स्कूल, जेम्स जेनेसिस इंटरनेशनल स्कूल, डिवाइन चाइल्ड स्कूल और आविष्कार स्कूल से भी इसी तरह के ईमेल मिलने की सूचना मिली। अधिकारियों के अनुसार, पहली अलर्ट सुबह करीब 10 बजे मिली, जिसके बाद स्थानीय पुलिस टीमें स्कूलों में पहुंचीं।

नेशनल हेराल्ड मामला: विपक्षी सांसदों ने किया संसद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार को कई विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसदों ने "सत्यमेव जयते; सत्य की जीत!" के नारे वाले पोस्टर पकड़े हुए थे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी नेशनल हेराल्ड में सरकार द्वारा अपनाई जा रही प्रतिशोधात्मक राजनीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इससे पहले आज, कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं ने बेलगावी के सुवर्ण सौधा स्थित गांधी प्रतिमा के पास नेशनल हेराल्ड मामले और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलकर वीबी–जी राम जी रखने के केंद्रीय सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि नेशनल हेराल्ड भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड देश का गौरव है, जिसकी स्थापना जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान की थी और इस मामले में केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई पर सवाल उठाया। शिवकुमार ने कहा कि न्याय की जीत हुई है। भाजपा को यह प्रतिशोधी राजनीति बंद करनी चाहिए। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने आरोप लगाया कि नेशनल हेराल्ड मामले को सत्ताधारी सरकार द्वारा "राजनीतिक प्रतिशोध" के तहत आगे बढ़ाया जा रहा है और दावा किया कि यह मामला केवल गांधी परिवार को परेशान करने के उद्देश्य से रचा गया है। इस मुद्दे पर मीडिया को संबोधित करते हुए खर्गे ने कहा कि आरोपों का कोई आधार नहीं है और दावा किया कि इस मामले में कोई प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज नहीं की गई है। खरगे ने कहा कि वे यह सब राजनीतिक प्रतिशोध के लिए कर रहे हैं।

दिल्ली में अस्थायी तौर पर बंद होंगे टोल प्लाजा?

प्रदूषण पर एमसीडी को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए सुझाव दिया कि वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली की सीमाओं पर टोल वसूली निलंबित कर दी जानी चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि जब प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रूप से उच्च है, तब टोल के माध्यम से राजस्व जुटाना प्राथमिकता नहीं हो सकता। सीजेआई ने कहा कि इतने गंभीर प्रदूषण में हमें टोल से आय नहीं चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने अगले वर्ष 31 जनवरी तक दिल्ली की सीमाओं पर टोल प्लाजा के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस योजना तैयार करने का इरादा व्यक्त किया।

राहुल गांधी का जर्मनी से 'मेक इन इंडिया' पर जोर: बोले–

उत्पादन में पीछे, विनिर्माण क्षेत्र को चाहिए गति

नई दिल्ली,एजेंसी। बुधवार को जर्मनी दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत के गिरते विनिर्माण क्षेत्र पर चर्चा की और कहा कि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए भारत को उत्पादन बढ़ाना होगा। कांग्रेस नेता आलोक शर्मा द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में गांधी बीएमडब्ल्यू कारखाने के अपने दौरे के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि हम बीएमडब्ल्यू कारखाने गए थे – शानदार अनुभव रहा – और मुझे यह देखकर विशेष रूप से खुशी हुई

कि उनके पास 450 सीसी की बाइक, टीवीएस है और मुझे लगता है कि यह अच्छा प्रदर्शन करेगी। यह देखकर अच्छा लगा कि यहां भारतीय ध्वज लहरा रहा है। वीडियो में गांधी ने आगे कहा, भारत को उत्पादन शुरू करने की जरूरत है। उत्पादन किसी भी देश की सफलता की कुंजी है। हमारा विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है; वास्तव में इसे बढ़ना चाहिए। इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का जर्मनी के अपने पांच दिवसीय दौरे के दौरान बर्लिन हवाई अड्डे पर आगमन पर भारतीय प्रवासी कांग्रेस (आईओसी) द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

शोध साक्षात्कार में ओनली 'पीएचडी' लागू करने की मांग

प्रयागराज (संवाददाता)। आइसा और समाजवादी छात्र सभा के प्रतिनिधिमंडल ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन को विभिन्न विभागों में होने वाले शोध साक्षात्कार में यूजीसी द्वारा निर्धारित मानक ष्ओनली पीएचडीष को लागू करने के लिए ज्ञापन दिया। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय के कई विभागों में कट ऑफ जारी करके ओनली पीएचडी के यूजीसी के मानक का पालन नहीं किया जा रहा है जिसके कारण से बहुत से अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में शामिल होने का मौका नहीं मिल पा रहा है जो कि यूजीसी के नियम का उल्लंघन है। दिल्ली विश्वविद्यालय समिति कई विश्वविद्यालय में यूजीसी के इन मानकों का पालन करते हुए ओनली पीएचडी में क्वालीफाई अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए मौका दिया जाता है तो इलाहाबाद विश्वविद्यालय में इस नियम को क्यों नहीं लागू किया जा रहा है? इसके साथ ही पीएचडी साक्षात्कार के लिए अलग–अलग विभागों में अलग–अलग तरह की प्रक्रिया अपनाई जा रही है इसमें एकरूपता और समानता लाने के लिए भी ज्ञापन में मांग की गई। इस दौरान समाजवादी छात्रसभा के सुधीर यादव, आशुतोष, अमित, आयुष, आइसा के मानवेंद्र, सुजीत, शिव तथा प्रिंस समेत अन्य शामिल रहे।

प्रयागराज माघ मेला पांटून पुल नंबर दो पर निर्माण रुका

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में आगामी माघ मेला 2026 की तैयारियों के बीच एक विवाद सामने आया है। मेला क्षेत्र में पांटून पुल नंबर दो के निर्माण का कार्य रुक गया है। आरोप है कि माघ मेला प्राधिकरण के एक कर्मचारी ने जेसीबी ऑपरेटर के साथ मारपीट की, जिससे नाराज होकर ऑपरेटर ने काम बंद कर दिया। यह घटना माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर–दो स्थित त्रिवेणी रोड की है। जानकारी के अनुसार, पांटून पुल नंबर दो के निर्माण कार्य के दौरान किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते गाली–गलौज और मारपीट में बदल गया। जेसीबी ऑपरेटर का आरोप है कि प्राधिकरण के कर्मचारी ने उसके साथ अभद्रता करते हुए हाथापाई की। मारपीट से आक्रोशित जेसीबी ऑपरेटर ने विरोध स्वरूप पांटून पुल नंबर दो के सामने सड़क पर गड्ढा कर दिया और अपनी जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर मौके पर ही खड़े कर दिए। इससे पांटून पुल से जुड़ा निर्माण कार्य पूरी तरह ठप हो गया। घटना के बाद माघ मेला की तैयारियों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने पर मेला प्राधिकरण के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। स्थानीय कर्मचारियों और मजदूरों के बीच इस घटना को लेकर चर्चा बनी रही। जेसीबी ऑपरेटर ने संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर दोषी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मेला प्राधिकरण की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। प्रशासनिक स्तर पर जांच की तैयारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि माघ मेला 2026 की तैयारियों को लेकर प्रशासन पहले से सतर्क है, ऐसे में इस तरह की घटनाएं व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं।

कफ सिरप कांड मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई होगी

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार को कफ सिरप कांड मामले में सुनवाई होगी। कोडीन सिरप तस्करी कांड के मास्टरमाइंड समेत कई आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिकाएं दाखिल की हैं। इस मामले में बुधवार को यूपी सरकार की तरफ से पक्ष रखा जाएगा। याचिका में गिरफ्तारी पर रोक, थ्प्त रद्द करने की मांग की गई है। इस मामले में हाईकोर्ट ने 12 दिसंबर को अंतरिम राहत दी थी। सरगना शुभम जायसवाल को हाईकोर्ट से बड़ी राहत देते हुए अगले आदेश तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। साथ ही 17 दिसंबर को सुनवाई की तारीख तय की थी। कोलकाता से गिरफ्तार शुभम के पिता भोला प्रसाद ने समेत कई अन्य लोगों ने कोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें विभिन्न जिलों में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की भी बात कही गई है।

टिकरी के भावी प्रधान सत्यम यादव ने किए वादे

प्रयागराज (संवाददाता)। बहरिया ब्लाक के टिकरी गांव में भावी प्रधान सत्यम यादव (माइकल) ने जनता से कई वादे किए। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें प्रधान चुना जाता है, तो वे सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ जनता तक पहुंचाएंगे। यादव ने बुनियादी सुविधाओं में सुधार का आश्वासन दिया। इसमें नाली–खरंजा निर्माण और जरूरतमंदों को बिजली उपलब्ध कराना शामिल है। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन और वृद्धा पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने का भी वादा किया। इसके अतिरिक्त, सत्यम यादव ने खेल का मैदान, विद्यालय का सौंदर्यीकरण, पंचायत भवन का सौंदर्यीकरण और ग्राम सभा में उच्च प्राथमिक विद्यालय के निर्माण जैसे कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।

सीएम का डेडलाइन बीता, माघ मेले का काम पिछड़ा

प्रयागराज में 15 दिसंबर तक पूरा करना था काम, अफसर बोले– 95 फीसदी कार्य पूरा

प्रयागराज (संवाददाता)। संगम की रेती पर 3 जनवरी से माघ मेले की शुरुआत हो जाएगी। अभी मेले की तैयारियां बहुत पीछे चल रही हैं। नवंबर में जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद प्रयागराज पहुंचे थे तो उन्होंने मेला प्राधिकरण कार्यालय में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया था कि 15 दिसंबर तक माघ मेले का कार्य पूरा करा लिया जाए।

ब्ड की यह डेडलाइन बीत चुकी है लेकिन मेला क्षेत्र में तैयारियां अभी बहुत पीछे चल रही हैं। जबकि अपर मेलाधिकारी दयानंद प्रसाद ने 'दैनिक भास्कर' से विशेष बातचीत में दावा किया है कि माघ मेले का ओवरऑल काम 95: पूरा हो चुका है बाकी कार्य दिसंबर के आखिरी तक पूरे कर लिए जाएंगे।

जबकि हकीकत तो यह है कि अभी तक मेला क्षेत्र में कई जगहों पर जमीन दलदल है। समतलीकरण कार्य चल ही रहा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि तीन जनवरी से पहले कार्य पूरा हो पाएगा या स्थिति यूं ही बनी रहेगी।

जानिए, कौन सा काम कितना हुआ

PWD की ओर से 9 पांटून पुल बनने हैं जिसमें 7 पांटून पुल बन चुके हैं बाकी 98 पांटून पुलों के बनाए जाने का कार्य जारी है।

जमीन समतलीकरण का कार्य 95% तक पूरा करा लिया गया है।

मेला क्षेत्र में 160 किमी. समतुल्य लंबाई में चकर्ड प्लेट में बनना है जिसमें 130 किमी. का कार्य पूरा है।

जल निगम की ओर से पेयजल आपूर्ति के लिए 242 किमी. की पाइपलाइन बिछायी जानी है जिसमें 198 किमी. कार्य पूरा हो गया।

85 किमी. की सीवर लाइन बिछानी जानी है जिसमें से 65 किमी. का कार्य पूरा हो चुका है।

उप्र पावर कारपोरेशन की ओर से 47 किमी. एचीटी एवं 350 किमी. एलटी लाइन बिछायी जानी है जिसमें से 45 किमी. एचटी एवं 322 किमी. एलटी लाइन बिछायी जा चुकी है।

बिजली आपूर्ति के लिए मेला क्षेत्र में 25 अस्थायी सब स्टेशन बनाए जाने हैं जिनमें से 19 कार्य पूरा है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से 2 अस्पताल 20–20 बेड के अस्पताल बनाए जाने हैं लेकिन अस्पताल अभी तैयार नहीं है।

वर्ष 2024 के माघ मेले की अपेक्षा इस बार के माघ मेले का दायरा ज्यादा बड़ा होने वाला है। 32 हेक्टेयर ज्यादा जमीन पर यह मेला बसने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इसकी घोषणा की है।

2024 का माघ मेला करीब 768 हेक्टेयर में बसा था लेकिन इस बार यह बढ़ाकर 800 कर दिया गया है। यही कारण है कि इस बार मेले को 7 सेक्टर में बांटा जा रहा है। मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई गई है।

माघ मेले में इस तरह की होगी व्यवस्था

माघ मेले में 9 पांटून पुल बनाया जाना है।

160 किमी. के दायरे में चकर्ड प्लेट बिछाए जाएंगे।

जल निगम की ओर से 242 किमी. के दायरे में पेयजल के लिए पाइपें बिछायी जाएगी।

85 किलोमीटर में सीवर लाइन भी बिछायी जाएगी।

पावर कार्पोरेशन की ओर से 47 किमी. की एचटी और 360 किमी. की एलटी लाइन बिछायी जानी है।

25 बिजली के सब स्टेशन बनाए जाएंगे।

20–20 बेड के 2 अस्पताल बनाए जाएंगे जिसका नाम गंगा और त्रिवेणी होगा।

12 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाए जाएंगे।

एक वेक्टर कंट्रोल यूनिट स्थापित किया जाएगा। 5 होमियोपैथिक व 5 आयुर्वेदिक चिकित्सालय बनाए जाएंगे।

मेला क्षेत्र में 50 एंबुलेंस भी होंगे।

तीन हजार सफाईकर्मी, 10 लाख से ज्यादा लाइनर बैग, 20 सेक्शन गाड़ियां लगाई जाएंगी।

2 स्थानों पर पार्किंग बनाई जाएगी।

17 थाने, 42 पुलिस चौकी, 20 फायर टेंडर, 7 अग्निशमन चौकी होगी।

एक जल पुलिस थाना, चार जल पुलिस सब कंट्रोल रूम स्थापित होगा।

400 कैमरे से क्राउड मैनेजमेंट की निगरानी होगी। एआई कैमरे लगेंगे।

3000 परिवहन निगम की बसें होंगी।

75 शटल बसें मेला क्षेत्र के लिए होंगी जो सिटी से मेला लाने व मेला से सिटी में ले जाने के लिए लगेंगी।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मेलाधिकारी ऋषि राज ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया था।

जानिए, कब है प्रमुख स्नान पर्व

तीन जनवरी को पौष पूर्णिमा का पहला स्नान।

15 जनवरी को मकर संक्रांति का दूसरा स्नान।

18 जनवरी को मौनी अमावास्या का तीसरा स्नान।23 जनवरी को बसंत पंचमी का चौथा स्नान।

एक फरवरी को माघी पूर्णिमा का पांचवां स्नान।

15 फरवरी को महाशिवरात्रि का छठवां स्नान।

शादी समाप्त हुए बगैर पार्टनर से भरण पोषण नहीं

हाईकोर्ट ने कहा– पहली शादी को खत्म करना जरूरी, महिला की याचिका खारिज

प्रयागराज (संवददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय कहा है कि अगर किसी महिला की पहली शादी अभी समाप्त नहीं हुई है तो वह अपने साथ रहने वाले पार्टनर से सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण–पोषण का दावा नहीं कर सकती।

कोर्ट ने कहा कि शादी जैसा लंबा रिश्ता भी उसे श्पत्नीश का कानूनी दर्जा नहीं देता, अगर उसने अपने पहले पति से तलाक नहीं लिया है।

न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह ने कहा– अगर समाज में ऐसी प्रथा की इजाजत दी जाती है, जहां एक महिला कानूनी तौर पर एक आदमी से शादीशुदा रहती है। फिर भी पहली शादी खत्म किए बिना दूसरे आदमी के साथ रहती है।

उसके बाद दूसरे आदमी से मेंटेनेंस मांगती है तो सीआरपीसी की धारा 125 का मकसद और पवित्रता खत्म हो जाएगी और शादी की संस्था अपनी कानूनी और सामाजिक अखंडता खो देगी।कोर्ट ने एक महिला द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

याचिका में ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसने उसके भरण पोषण याचिका खारिज कर दी थी। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसने जून 2009 में विपक्षी से शादी की थी, जब उसने बताया था कि उसने अगस्त 2005 में एक समझौते के जरिए अपनी पहली पत्नी से संबंध खत्म कर लिए।

उसने बताया कि वे लगभग दस वर्षों तक पति–पत्नी की तरह साथ रहे और उसकी पत्नी के तौर पर उसका स्टेटस उसके आधार कार्ड और पासपोर्ट जैसे सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है। उसने आरोप लगाया कि दस साल बाद मार्च, 2018 में उसके साथ क्रूरता की गई और उसे छोड़ दिया गया, इसलिए उसे भरण पोषण के लिए कोर्ट जाना पड़ा।

दूसरी ओर, विपक्षी ने उसके दावे का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता उसकी दूर की रिश्तेदार है और उनके बीच कोई वैध शादी नहीं हुई। यह भी कहा गया कि याचिकाकर्ता ने अपने पहले पति से तलाक का कभी नहीं लिया। इस तरह वह उससे भरण पोषण नहीं मांग सकती क्योंकि वह कानूनी तौर पर किसी दूसरे आदमी की पत्नी है। इन तर्कों के आधार पर हाईकोर्ट ने मामले के रिकॉर्ड की जांच की और पाया कि याचिकाकर्ता पहले से ही शादीशुदा थी। हालांकि उसने तलाक की याचिका दायर की, लेकिन उसे डिफॉल्ट रूप से खारिज कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि कानून की नजर में उसकी पहली शादी अभी भी कायम थी।

कोर्ट ने यह भी कहा कि विपक्षी भी पहले से ही एक महिला से शादीशुदा था और वह शादी भी खत्म नहीं हुई। हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 11 के अनुसार जीवित पति या पत्नी के जीवनकाल में की गई शादी शुरू से ही अमान्य होती है, कोर्ट ने कहा कि चूंकि दोनों पक्ष अन्य व्यक्तियों से शादीशुदा थे, इसलिए उनका रिश्ता उनके बीच पति और पत्नी का कानूनी दर्जा नहीं बना सकता।

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने खुद माना कि उसकी शादी अभी भी कायम है और तलाक का कोई आदेश नहीं मिला है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के भरण–पोषण का आवेदन खारिज करने का आदेश बरकरार रखते हुए याचिका खारिज कर दी।

बैच के आधार पर कॉन्स्टेबल लाभ से वंचित नहीं होंगे

हाईकोर्ट ने कहा– चयन प्रक्रिया एक, फिर प्रोटेक्शन लाभ से वंचित कैसे करेंगे

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2018 की उत्तर प्रदेश पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती से जुड़े मामले में कहा है कि केवल प्रशिक्षण की तिथियों या बैच के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों के वेतन में अंतर नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन है। कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा अपनाई गई उस नीति को असंवैधानिक और मनमाना करार दिया, जिसके तहत एक ही चयन प्रक्रिया से नियुक्त कांस्टेबलों को अलग–अलग प्रशिक्षण बैचों में भेजने के आधार पर वेतन संरक्षण (पे प्रोटेक्शन) के लाभ से वंचित किया गया था।

कोर्ट ने कहा कि जब सभी अभ्यर्थी एक ही विज्ञापन, एक ही चयन प्रक्रिया और एक ही अंतिम चयन सूची से नियुक्त किए गए हैं तो उन्हें समान सेवा लाभों से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट के इस निर्णय से भर्ती 2018 के हजारों कांस्टेबलों को समान वेतन और सेवा अधिकार सुनिश्चित होने का रास्ता साफ हो गया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह एवं न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने राज्य सरकार की विशेष अपील पर सुनवाई करते हुए दिया। विशेष अपील में राज्य सरकार ने एकल पीठ के उस निर्णय को चुनौती दी थी, जिसमें भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के याचियों को पहले प्रशिक्षण बैच के समान वेतन संरक्षण देने का निर्देश दिया गया था।

खंडपीठ ने राज्य की सभी विशेष अपीलों को खारिज करते हुए एकल पीट के फैसले की पुष्टि कर दी।

प्रयागराज में 'शक्ति सृजन' अभियान शुरू करेंगी हर्षा रिछारिया

प्रयागराज (संवाददाता)। इन्फ्लूएंसर हर्षा रिछारिया बेटियों को लव जिहाद से बचाने की बड़ी मुहिम संगम नगरी से शुरू करेंगी। एकदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 'शक्ति सृजन रू एक यात्रा' के नाम से होगा। यह आयोजन 27 दिसंबर को कटरा स्थित श्रीरामलीला कमेटी परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में भटक रही युवा पीढ़ी, बेटियों और महिलाओं को सही दिशा दिखाना। उन्हें धर्म और संस्कृति से जोड़ना तथा सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करना है। हर्षा रिछारिया ने बताया कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से नारी शक्ति को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। इसमें महिलाओं, बेटियों, बच्चियों और युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है। अनुमान है कि कार्यक्रम में 300 से 400 लोग शामिल होंगे जबकि आसपास के जिलों से भी लोगों के आने की संभावना जताई जा रही है। हर्षा ने बताया कि 'शक्ति सृजन' को केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक सामाजिक अभियान के रूप में देखा जा रहा है। इसकी शुरुआत प्रयागराज से की जा रही है, जिसे आगे चलकर देशभर में विस्तार देने की योजना है। उद्देश्य यह है कि जिस तरह सरकार नारी शक्ति और बेटियों के लिए योजनाएं चला रही है। उसी दिशा में समाज स्तर पर भी एक छोटा सा योगदान दिया जा सके। कार्यक्रम के जरिए लव जिहाद, धर्म परिवर्तन, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, हाउस पार्टी और क्लब कल्चर जैसी सामाजिक समस्याओं पर भी चर्चा की जाएगी। आयोजकों का मानना है कि इन कारणों से आज की युवा पीढ़ी और खासकर बेटियां अपने परिवार और संस्कृति से दूर होती जा रही हैं। ऐसे में उन्हें फिर से अपने मूल संस्कारों से जोड़ना जरूरी है। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक मां दुर्गा चालीसा पाठ से की जाएगी। इसके बाद मां आदि शक्ति और विभिन्न देवी स्वरूपों के चरित्रों पर प्रकाश डाला जाएगा। साथ ही भारत की उन वीरांगनाओं और क्रांतिकारी महिलाओं के योगदान को याद किया जाएगा। जिन्होंने मुगलों और अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष कर देश और धर्म की रक्षा की। इसके बाद चर्चा का केंद्र आज की युवा पीढ़ी और नारी सशक्तिकरण की वर्तमान परिभाषा होगी। आयोजक के अनुसार आज वुमन एम्पावरमेंट का अर्थ केवल आधुनिक पहनावा, नाइट पार्टी या नशे से जोड़ दिया गया है, जो वास्तविक सशक्तिकरण नहीं है। सच्चा नारी सशक्तिकरण तब है, जब नारी अपने धर्म, संस्कृति, परिवार और समाज के लिए खड़े होना जानती है और अपने भीतर विद्यमान शक्ति को पहचानती है। कार्यक्रम की एक विशेष बात यह भी होगी कि इसमें समाज के लिए कार्य करने वाली महिलाओं, बेटियों और माताओं को सम्मानित किया जाएगा। वे महिलाएं जो अपने घर–परिवार की जिम्मेदारी निभाने के साथ–साथ समाज और धर्म–संस्कृति की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्हें मंच पर सम्मान दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें अपने विचार साझा करने का अवसर भी मिलेगा। कार्यक्रम में एक विशिष्ट मुख्य अतिथि भी शामिल होंगे। जिनके नाम का खुलासा फिलहाल नहीं किया गया है। आयोजकों के अनुसार जल्द ही इसकी आधिकारिक जानकारी साझा की जाएगी।

प्रयागराज में सुबह से धूप, गलन बढ़ी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में आज बुधवार को सुबह से ही आसमान साफ है। सुबह की शुरुआत हल्की धूप से हुई है लेकिन गलन बढ़ने से लोग ठंड से परेशान दिखे। जगह–जगह अलाव के सामने लोग बैठे रहे। मौसम विज्ञानी बताते हैं कि पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर पूर प्रदेश में दिख रहा है। आज बुधवार सुबह से ही गलन तेज हो गई है। आने वाले 2–4 दिनों में स्थिति इसी तरह की रहेगी। अभी फिलहाल कोहरे से राहत है। वहीं, नगर निगम की ओर से शहर के प्रमुख स्थानों पर रैन बसेरे बनाए जा रहे हैं ताकि जरूरतमंदों को वहां पर रोका जा सके। वहीं, अलग अलग जगहों पर कोहरे के कारण रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उत्तर भारत में विजिबिलिटी (दृश्यता) कम होने की वजह से प्रयागराज जंक्शन और अन्य स्टेशनों पर कई महत्वपूर्ण ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं। कुछ ट्रेनें निरस्त कर दी गई हैं। काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस (वाराणसी–दिल्ली) और त्रिवेणी एक्सप्रेस (टनकपुर–शक्ति नगर) जैसी कुछ ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया है। घ्दरभंगा–आनंद विहार स्पेशल जैसी ट्रेनों को 24 घंटे तक री–शेड्यूल किया गया है, जिससे वे 28 घंटे तक की देरी से चल रही हैं। ऊंचाहार एक्सप्रेस, नौचंदी एक्सप्रेस और संगम एक्सप्रेस भी 2 से 8 घंटे की देरी से चलने की सूचना है।

प्रयागराज जंक्शन पर आग, बचाव की मॉक ड्रिल

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेला की तैयारियां अंतिम रूप में हैं। माघ मेला में आने वाली कई करोड़ श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर सबसे ज्यादा फोकस है। रेलवे ने हर तरफ से तैयारी पूरी करनी शुरू कर दी है। बुधवार को प्रयागराज जंक्शन और सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर मॉक ड्रिल की गई। ट्रेन में आग लगने, या फिर अन्य हादसों के मद्देनजर रेलवे की टीमें रिहर्सल कर रही हैं। वरिष्ठ मंडल मैकेनिकल इंजीनियर ओ एंड एफ धनंजय कुमार सिंह और स्टेशन निदेशक प्रयागराज जंक्शन वीके द्विवेदी के नेतृत्व में प्रयागराज जंक्शन स्टेशन के एआरटी साइड पर फायर मॉक ड्रिल हुई। मॉक ड्रिल में परिचालन, वाणिज्य, कैरिज एवं वैगन, पर्यावरण एवं रखरखाव तथा रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान इंजन, कोच या फिर यात्रियों के सामान में अचानक आग लगने पर जरूरी कदम उठाने के बारे में बताया गया। इसके बाद आग लगने और बचाव कार्य का रिहर्सल हुआ। आग पर काबू पाने के साथ अन्य टीमों द्वारा यात्रियों को सुरक्षित निकालने, ट्रैक को सुरक्षित रखने, यात्रियों को प्राथमिक उपचार देने, अस्पताल पहुंचाने आदि की ड्रिल की गई। इस दौरान धनंजय कुमार सिंह ने माघ मेला की तैयारियों पर कर्मचारियों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रयागराज मण्डल के सभी कर्मचारियों के लिए सेवा करने का अवसर है। श्रद्धालु और यात्री को सुखद यात्रा का अनुभव देने के लिए आवश्यक है कि सुरक्षा एवं संरक्षा को प्राथमिकता पर रखकर कार्य करें । स्टेशन निदेशक प्रयागराज जंक्शन वीके द्विवेदी ने मॉक ड्रिल के दौरान उपस्थित कर्मियों को बताया कि आसान टिकट वितरण, यात्री आश्रय, एवं यात्री सूचना प्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था, साइनेज सहित सभी प्रकार की तैयारी की जा रही है । यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है कि सभी फ्रंट लाइन स्टाफ अग्निशमन यंत्रों के विषय में जानकारी रखें एवं उन्हें विधिवत चलाना सीखें।

संक्षिप्त

विहिप और बजरंग दल ने किया प्रदर्शन,कोचिंगों में बुर्का बंद हो

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने अवैध कोचिंग संस्थानों के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने पटेल प्रतिमा से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय तक मार्च निकाला। उनका कहना था कि अवैध रूप से चल रही कोचिंग बंद की जाएं और वहां बुर्का पहनना भी बंद होना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में बढ़ती अनुशासनहीनता, शैक्षणिक ड्रेस के पालन में अनियमितता और सुरक्षा संबंधी इश्यू बढ़ते जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी एवं निदेशक माध्यमिक शिक्षा कार्यालय का घेराव कर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। संगठनों का कहना है कि यह स्थिति परीक्षा और कक्षाओं की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती है। कुछ छात्रों ने आशंका जताई है कि बुर्के की आड़ में कोई अन्य व्यक्ति परीक्षा या कक्षा में शामिल हो सकता है। संगठन ने मांग की कि कक्षाओं के भीतर इस प्रकार के वस्त्र पहनने पर प्रतिबंध लगाया जाए। इसके साथ ही ज्ञापन में विश्वविद्यालय परिसरों और छात्रावासों में बढ़ती लड़ाई–झगड़े की घटनाओं पर भी चिंता जताई गई। संगठन ने मांग की कि छात्रावासों में केवल अधिकृत छात्रों का ही प्रवेश सुनिश्चित किया जाए, ताकि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की घुसपैठ रोकी जा सके। विहिप और बजरंग दल ने बिना पंजीकरण के संचालित कोचिंग संस्थाओं को तत्काल बंद कराने, कोचिंग संस्थानों में मानकों की जांच कराने तथा बेसमेंट में चल रही कोचिंग और लाइब्रेरी पर कार्रवाई की मांग भी की। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि ज्ञापन देने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

पीएम मोदी को मिला इथियोपिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, योगी ने एक्स पर की तारीफ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इथियोपिया का सर्वोच्च सम्मान मिलने के बाद बुधवार को उनके नेतृत्व की सराहना की। आदित्यनाथ ने 'एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत की आवाज, मूल्य और सभ्यतागत लोकाचार वैश्विक सम्मान अर्जित कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, इथियोपिया का सर्वोच्च सम्मान द ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया मिलना भारत–इथियोपिया संबंधों को मजबूत बनाने में मोदी की राजनेता वाली सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस सम्मान को भारत के 1.4 अरब देशवासियों को समर्पित करके प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर दिखाया है कि उनका नेतृत्व विनम्रता, सद्भाव और वसुधैव कुटुंबकम की भावना में निहित है।" इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी को इथियोपिया का सर्वोच्च सम्मान द ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया प्रदान किया। अदीस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित एक विशेष समारोह में मोदी को यह सम्मान दिया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के सैरपुर थानाक्षेत्र में देर रात दर्दनाक हादसे में एक युवक की मौत हो गई। सीतापुर से लखनऊ दवा लेने आए युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सीतापुर के सिधौली निवासी जहीर अहमद (35) मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करता था। मंगलवार सुबह वह बाइक से लखनऊ दवा लेने आया था। देर रात करीब 9 बजे घर लौटते समय भिठौली स्थित सेवा अस्पताल के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जहीर करीब 100 फीट दूर जा गिरा। उसके सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सैरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को ट्रॉमा सेंटर भिजवाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। जहीर के भाई जाहिद ने बताया कि परिवार में पत्नी अख्तरुल निशा और तीन बच्चे खुशनुमा, मेहजबीन और हमजा हैं। घटना की जानकारी मिलते ही घर में कोहराम मच गया। पत्नी और बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है। सैरपुर थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक परिजनों की ओर से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसान के घर सेंध लगाकर घुसे चोर,जेवर–नकदी ले गए

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में एक किसान के घर में नकब लगाकर करीब 8 लाख रुपए के सोने–चांदी के गहने और 65 हजार रुपए की नकदी चोरी हो गई। घटना मंगलवार रात की है, जिसका पता बुधवार सुबह चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिजनौर के कासिम खेड़ा निवासी किसान सतीश यादव ने बताया कि मंगलवार रात खाना खाने के बाद वह परिवार सहित घर के आगे वाले कमरे में सो गए थे। बुधवार सुबह करीब 5 बजे जब वह पीछे वाले कमरे में गए, तो अलमारी टूटी मिली। सतीश यादव ने अपनी पत्नी को जगाया और जांच करने पर पाया कि घर के पीछे की दीवार कटी हुई थी। चोरों ने अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे करीब 8 लाख रुपए के सोने–चांदी के गहने और 65 हजार रुपए की नकदी चुरा ली थी। घटना की सूचना तत्काल बिजनौर पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। पीड़ित सतीश यादव की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों का सुराग लगाने में जुट गई है।

रिक्शा के साथ नाले में गिरा बुजुर्ग, मौत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के गुडंबा इलाके में एक बुजुर्ग नाले में रिक्शा के साथ में गिर गया। घटना के करीब 5 घंटे बाद उसे मृत हालत में नाले से निकाला गया। मौके पर नगर निगम और पुलिस की टीम पहुंची। सड़क किनारे नाले का स्लैब खुला हुआ था। घटना के बाद काफी देर तक किसी के नहीं पहुंचने से हादसा हुआ था। फिलहाल, यह एक स्कूल का रिक्शा बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीछे से किसी गाड़ी ने रिक्शा में जोरदार टक्कर मारी थी। टक्कर मारने के बाद रिक्शा चालक रिक्शा सहित नल की बाउंड्री वालों को तोड़ते हुए उछलकर नाले में गिर पड़ा। गुडंबा क्षेत्र में जगरानी हॉस्पिटल के पास घटना हुई है। लोगों ने बताया कि यहां कई दिनों से नाला खुला हुआ था। मृतक की पहचान 60 वर्षीय लखन के रूप में हुई है। वह यूनाइटेड स्कूल का रिक्शा चलाता था और बच्चों को लाने–ले जाने का काम करता था। सुबह के समय स्कूल के बच्चों को लेने जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। परिजनों का आरोप है कि किसी अज्ञात वाहन ने रिक्शे को टक्कर मारी, जिससे लखन रिक्शे समेत गहरे नाले में जा गिरे और उनकी मौत हो गई।

उत्कृष्ट साहित्य जीवन के स्वर्णिम द्वार खोलने में सहायक : डॉ0 अंशुल

शब्द और सृजनकार सदैव अमर रहता है : डॉ0 वागीश
वरिष्ठ साहित्यकार जटाशंकर प्रियदर्शी को साहित्यकार सत्कार : आपके द्वार योजना में मिला साहित्य रत्न सम्मान

प्रयागराज। उत्कृष्ट साहित्य सर्जक की लेखनी से निसृत विचार शब्दों के रूप में जीवन के स्वर्णिम द्वार खोलने में सहायक होता है जो मनुष्य को उर्जावान बनाए रखता है । उपरोक्त उद्गार सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल जी ने उस समय व्यक्त किए जब वह साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा साहित्यकार सत्कार आपके द्वार योजना में रसूलाबाद संजय चौराहे के पास श्री प्रियदर्शी के आवास पर अध्यक्षीय उद्बोधन कर रहे थे। डॉ शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल ने कहा कि जटाशंकर प्रियदर्शी को आज साहित्य रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया है जो अत्यंत सराहनीय है।

अपने स्वागत भाषण में डॉ राम लखन चौरसिया वागीश ने कहा कि श्री प्रियदर्शी जी को सम्मान मिलना साहित्य क्षेत्र में गौरव की बात है। शब्द और सृजनकार सदैव अमर रहते हैं वे कभी नहीं मरते इसीलिए केवल रचनाकार और ब्रह्म को सृजनकर्ता की संज्ञा दी गई है।

मौलिक विचार एवं साहित्यिक सर्जना की प्रतिनिधि ा पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा द्वारा प्रवर्तित साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज इस माह का साहित्य रत्न सम्मान वरिष्ठ साहित्यकार जटाशंकर प्रियदर्शी को प्रदान किया गया।

साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के व्यवस्थापक डॉ ० भगवान प्रसाद उपाध्याय के संचालन में सम्पन्न इस आयोजन में पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया और डॉ ० राम लखन चौरसिया वागीश के स्वागत के बाद रवीन्द्र कुशवाहा ने योजना पर विस्तार से जानकारी दी श्री कुशवाहा ने साहित्यांजलि प्रभा मासिक पत्रिका को संरक्षित संवर्धित करने की अपील की । इस अवसर पर जटाशंकर प्रियदर्शी ने अपनी कविताओं का सस्वर पाठ किया और योजना के दीर्घायु होने की कामना करते हुए कहा कि यह पूरे देश में अपनी तरह की अनूठी पहल है । उपस्थित सभी सम्मानित कवियों ने अपनी कविताओं से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया । अंत में आभार डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने व्यक्त किया।

त्रिवेणी धाम में गूंजा हिंदू एकता का स्वर, विराट सम्मेलन बना सामाजिक चेतना का मंच

धर्म, संस्कृति और सद्भाव का संगम : 500 से अधिक लोगों ने लिया संकल्प

नैनी प्रयागराज। नैनी के त्रिवेणी नगर स्थित त्रिवेणी धाम मंदिर परिसर रविवार को हिंदू चेतना और सामाजिक एकता का सशक्त केंद्र बन गया। यहां आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में धर्म, संस्कृति और समाज को जोड़ने वाला संदेश पूरी प्रभावशीलता के साथ सामने आया। मंदिर परिसर में उमड़ी भीड़ और वक्ताओं के ओजस्वी विचारों ने माहौल को ऊर्जा से भर दिया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता चंद्रदेव महाराज (सच्चा बाबा आश्रम, अरैल) ने हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक मूल्यों और आत्मचिंतन पर जोर देते हुए कहा कि समाज को भीतर से मजबूत करने के लिए आपसी सद्भाव और विश्वास सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने विभाजनकारी सोच से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सृजन हॉस्पिटल प्रयागराज की निदेशक कृतिका अग्रवाल ने सेवा, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज का सशक्तिकरण शिक्षा, स्वास्थ्य और सकारात्मक सोच से ही संभव है। वहीं लेखिका एवं हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर अलका प्रकाश ने विचारों की शक्ति और साहित्य की भूमिका को रेखांकित करते हुए समाज में जागृति फैलाने की आवश्यकता बताई। सम्मेलन का एक विशेष आकर्षण ब्राजील से आई साध्वी लियाना अमारो म्युनिज (साध्वी गौरी) रहीं। उन्होंने भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों के प्रति अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार हिंदू दर्शन विश्व को शांति और संतुलन का मार्ग दिखाता है। उनके विचारों ने श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया।कार्यक्रम में राष्ट्रीय विप्र महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ए. के. चौबे और प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद कुमार मिश्र की उपस्थिति ने आयोजन को और मजबूती दी। सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू समाज में जागृति फैलाना, आपसी दुर्भावना को समाप्त करना और एक–दूसरे के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करना रहा। करीब 500 से अधिक लोगों की उपस्थिति वाले इस आयोजन का संचालन माधव प्रसाद शुक्ल ने किया। पूरे सम्मेलन के दौरान एकता, संस्कार और सामाजिक समरसता का संदेश स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया, जिसने त्रिवेणी धाम को कुछ समय के लिए विचारों के महाकुंभ में बदल दिया।

घने कोहरे से यूपी बेहाल, एक की मौत... यातायात बाधित, 15 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से में बुधवार को कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का असर रहा जिससे सड़क और रेल यातायात बाधित हुआ, वहीं मऊ जिले में सुबह कोहरे के कारण सड़क दुर्घटना में एक ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। यह दुर्घटना शाहरोज चार लेन वाली सड़क पर बख्तावरगंज घाट पुल के पास सुबह लगभग साढ़े पांच बजे हुई, जहां घने कोहरे के कारण कम दृश्यता के बीच एक ट्रेलर ने सीमेंट से लदे ट्रैक्टर को पीछे से टक्कर मार दी। कोपागंज थाना प्रभारी रविंद्र नाथ राय ने कहा, '' हो सकता है कि घने कोहरे के कारण यह हादसा हुआ हो। टक्कर के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया और

उसकी तलाश जारी है।'' पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद मार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। यह हादसा मंगलवार को राज्य भर में घने कोहरे के कारण हुई कई सड़क दुर्घटनाओं के एक दिन बाद हुआ है, जिनमें कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई थी और 59 लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने बताया कि सबसे भीषण घटना मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई, जहां घने कोहरे के कारण कई वाहनों की टक्कर के बाद कुछ वाहनों में भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। इस बीच, स्थानीय मौसम कार्यालय ने घने कोहरे की स्थिति को लेकर 15 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि 20 से अधिक जिलों को येलो अलर्ट के तहत रखा गया है, जिसमें लोगों को बृहस्पतिवार सुबह तक सतर्क रहने की सलाह दी गई है। गोरखपुर से सटे जिलों, जिनमें महाराजगंज भी शामिल है में घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने आवागमन को बुरी तरह प्रभावित किया है। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि कम दृश्यता के कारण वाहन धीमी गति से चले, जबकि पैदल यात्रियों को लगभग शून्य दृश्यता की स्थिति में सावधानी से सड़क पार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। राजधानी लखनऊ में भी ऐसी ही स्थिति थी, जहां घने कोहरे और तापमान में अचानक गिरावट के कारण सुबह यातायात धीमा हो गया। ठंड बढ़ने से लोग मफलर और जैकेट पहने नजर आए, शहर के कई हिस्सों में दृश्यता कम रही। देवरिया जिले में घने कोहरे के कारण ट्रकों की सड़क किनारे लंबी कतारें दिखाई दीं। एक ट्रक सहायक ने बताया कि आगे का रास्ता मुश्किल से दिखाई दे रहा था, जिसके कारण चालकों को या तो अपने वाहन रोकने पड़े या बहुत धीमी गति से चलना पड़ा। स्थानीय लोग और ट्रक चालक ठंड से बचने के लिए अलाव जलाते नजर आए। जिले के कई अन्य स्थानों पर भी ऐसे ही दृश्य देखने को मिले। हालांकि, बुधवार सुबह आगरा में कोहरे से कुछ राहत मिली। निवासियों ने बताया कि कोहरा अपेक्षाकृत हल्का था, जिससे लोकप्रिय दर्शनीय स्थलों से ताजमहल का स्पष्ट दृश्य दिखाई दे रहा था हालांकि यमुना नदी के पास धुंध की एक पतली परत सी मौजूद रही। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में कॉलेज जा रहे छात्रों ने बताया कि कोहरे के साथ–साथ ठंड भी बढ़ गई है। छात्र अंकित ने बताया कि सुबह के समय कम दृश्यता के कारण सार्वजनिक परिवहन के विकल्प सीमित थे, वहीं एक अन्य निवासी अंशुल ने कहा कि लोग केवल जरूरत पड़ने पर ही बाहर निकल रहे थे। गोंडा जिले में रेलवे स्टेशन पर ठंड और कोहरे का मिलाजुला असर साफ दिखाई दिया, जहां यात्री ट्रेन का इंतजार करते हुए कंबल ओढ़े नजर आए। स्टेशन के बाहर कई जगहों पर अलाव जलाए गए। गोंडा स्टेशन पर कृषक एक्सप्रेस का इंतजार कर रहे बस्ती जिले के निवासी विशाल कुमार ने बताया कि ट्रेन लगभग ढाई घंटे देरी से चल रही है। एक अन्य यात्री, अचल कुमार ने बताया कि स्टेशन पर अलाव की व्यवस्था न होने के कारण उन्हें अस्थायी अलाव के पास इंतजार करना पड़ा।

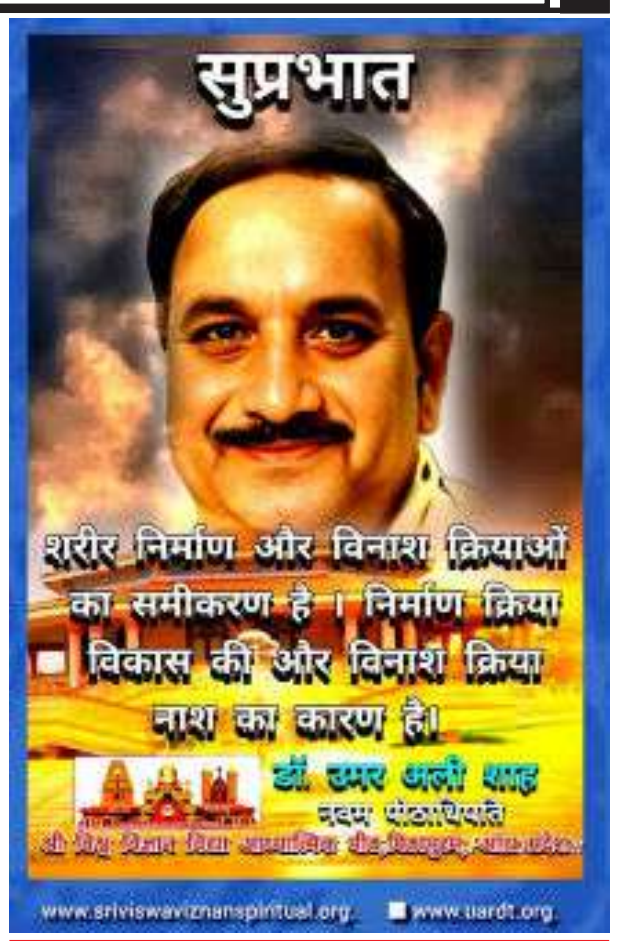

सदाफुली के फूल

उनकी आठ प्रजाति में, केवल एक प्रजाति।
सदाफुली के नाम से,है भारत में ख्याति।
है भारत में ख्याति, कहें सब बारहमासी।
मौसम से कर प्रेम, यहीं के बने निवासी।
सुन लो कहें प्रदीप,देख सुन्दरता उसकी।
कहने लगी फिजाएँ,नहीं तुलना है उनकी।।

हँसकर जो भरते सदा, पतझर में मुस्कान।
उनको'सदाबहारश कह,करें सभी सम्मान।
करें सभी सम्मान, खिलें जब उपवन में सब।
अंतस में भर रंग, पंखुरी खुलती हैं तब।
सुन लो कहें प्रदीप,खुशी का प्याला भरकर।
मिलकर सारे फूल, बाँटते हैं हँस– हँसकर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कर्नाटक की इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी संपन्न

बेंगलुरु। शहर समता विचार मंच.कर्नाटक इकाई की मासिक महिला काव्य गोष्ठी. अंजु भारती के संयोजन मे.. डॉ सविता चड्ढा.की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि..नीता शर्मा अध्यक्ष शिलांग इकाई एवं विशिष्ठ अतिथि सुनीता सैनी गुड्डीरही। यह काव्य गोष्ठी 7रू 00 बजे सै..9 रू00 बजे तक चली। जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही डॉ सविता चड्ढा द्वारा दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति एडवोकेट अंजु भारती द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मीना कुमारी परिहार मान्या एवं एडवोकेट अंजु भारती ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डाक्टर सविता चड्ढा, नीता शर्मा, डॉ मीना कुमारी परिहार मान्या, एडवोकेट अंजु भारती,सुनीता सैनी गुड्डी , अरूणा राणा, आचार्य विनीता लवानिया ने प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। आभार उद्बोधन डॉ मीना कुमारी परिहार मान्या ने किया। अंत में एडवोकेट अंजु भारती ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

''अश्वपरेशन जीवन रक्षा'' के तहत गाड़ी संख्या 12987 के कोच संख्या एस-5 में एक महिला यात्री की जान बचाए जाने के संबंध में

प्रयागराज। दिनांक 16.12.2025 को निरीक्षक/आरपीएफ प्रयागराजअमित कुमार मीणा, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज द्वारा ड्यूटी के दौरान तत्परता एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए एक महिला यात्री की जान बचाई गई।

गाड़ी संख्या 12987 के प्लेटफॉर्म संख्या–01 पर आगमन के उपरांत समय गस्त के दौरान लगभग 12रू15 बजे प्रस्थान के दौरान एक महिला यात्री कोच संख्या–5 में चढ़ते समय असंतुलित होकर गिरने लगी। उक्त स्थिति को देखते हुए निरीक्षक श्री अमित कुमार मीणा द्वारा तत्काल हस्तक्षेप कर महिला यात्री को सुरक्षित रूप से बचा लिया गया, जिससे एक गंभीर दुर्घटना होने से टल गई।उक्त महिला यात्री प्रयागराज से अजमेर की यात्रा कर रही थी, जिनका विवरण निम्नवत हैकृफोजिया बानो,पुत्री गुलाम मोहम्मद,निवासी ग्राम उभारी जसरा थाना घूरपुर जिला प्रयागराज

टिकट संख्या : UMB7999 4470

निरीक्षक श्री अमित कुमार मीणा द्वारा "ऑपरेशन जीवन रक्षा" के अंतर्गत सराहनीय कार्य करते हुए महिला यात्री की जान बचाई गई।यात्रियों को भी चलती गाड़ी में न चढ़ने के संबंध में जागरूक किया गया।

सम्पादकीय.....

सिडनी में खूनी खेल

सिडनी में यहूदियों को निशाना बनाये जाने की घटना ने पहलगाम आतंकी हमले के जख्मों को हरा कर दिया। पहलगाम में भी आतंकियों ने लोगों को चुन–चुनकर मारा था। सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय की सभा पर हुआ हमला हमें इस क्रूरता की याद दिलाता है कि आतंकवादी आम जीवन के केंद्र में, प्रार्थना स्थलों और सुकून देने वाले स्थलों को ही अपना निशाना बनाते हैं। यह हिंसा उस हनुक्का उत्सव के दौरान की गई, जो अंधकार के साम्राज्य को प्रकाश से पराजित करने का संकल्प दर्शाता है। इस मायने में यह हमला क्रूरता की हद दर्शाता है। दरअसल, आस्ट्रेलिया लंबे समय से इस विश्वास के चलते शांति का अहसास करता रहा है कि तमाम वैश्विक संघर्षों से बनायी गई उसकी दूरी, उसे सुरक्षा प्रदान करती है। लेकिन इस घटना के बाद उसका भ्रम टूटा है। अब जाकर उसे यह अहसास हुआ है कि आतंकवादी अपने घातक मसूंबों को अंजाम देने के लिये हमारे ऐसे ही विश्वासों को तोड़कर हमले करते हैं। बॉन्डी के हमले ने न केवल आस्ट्रेलिया के भ्रम को तोड़ा है बल्कि उसे अपनी सुरक्षा नीतियों में बदलाव को बाध्य किया है। जैसा कि अपरिहार्य है, आस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने हमले को एक वैश्विक आतंकवाद के रूप में वर्गीकृत किया है। खासकर हिंसा के तौर–तरीके और वैचारिक मकसद को ध्यान में रखते हुए। यह वर्गीकरण इस बात को भी स्वीकार करता है कि हमला नफरत से प्रेरित हिंसा के एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा था,जो दुनिया के तमाम देशों में देखा जा रहा है। इस आतंकी घटना के बाद यहूदी समुदाय में दुख के साथ–साथ आक्रोश भी उमड़ रहा है। खासकर इस बात को लेकर कि यहूदी समुदाय द्वारा लंबे समय से दी जा रही चेतावनी के बावजूद आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी रवैये को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस प्रवृत्ति पर पहले से ही सतर्क निगरानी रखी गई होती तो शायद बॉन्डी के हमले को टाला जा सकता। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया में गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से ही इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस तीखी और ध्रुवीकृत हो चली थी। हालांकि, यहां हुए अधिकांश विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं, लेकिन चरमपंथी विचारधारा का पोषण करने वाले मुट्ठीभर लोग भी घातक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। यह हमला ऐसे मंसूबों की रोकथाम की सीमाओं को भी उजागर करता है। निस्संदेह, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से आंतकी नेटवर्क की निगरानी समय रहते की जा सकती है। वे सही वक्त पर ही न केवल आने वाले खतरों का आकलन कर सकती हैं बल्कि साजिशों को नाकाम भी कर सकती हैं। लेकिन एक विसंगति यह भी है कि सार्वजनिक स्थानों पर अकेले हमले करने वालों को रोकना कुछ कठिन जरूर होता है। जैसे कि इस मामले में देखने में आया है। फिर भी, इस भयावह घटना के बीच एक साहस देखने को भी मिला। एक बहादुर राहगीर ने एक हमलावर को निहत्था करने के लिये अपनी जान भी जोखिम में डाली। हालांकि, वह इस प्रयास में घायल हुआ, लेकिन वह कई लोगों की जान बचाने में कामयाब हुआ। पूरी दुनिया में उसके साहस के लिये प्रशंसा हो रही है। संकट की घड़ी में ऐसा साहस आतंकवादियों की कायरता पर करारा प्रहार होता है और इससे आतंकवादियों के मंसूबे धरे रह जाते हैं। यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि घोर अंधकार के क्षणों में भी मानवता का अंत नहीं होता। निश्चित रूप से इस घटना के बाद आस्ट्रेलिया को सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके यहां रह रहे संवेदनशील समुदायों के लिये मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही समय रहते समाज में घृणा को बढ़ाने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ऐसे वक्त में जब हमास व इस्राइल के संघर्ष के बाद पूरी दुनिया में यहूदी विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, तो इसके खिलाफ वैश्विक स्तर पर साझा लड़ाई लड़ने की जरूरत है। विश्व समुदाय को किसी धर्म या संप्रदाय के खिलाफ होने वाली आतंकी घटनाओं का मुकाबला मिलकर करने की जरूरत है। अन्यथा कट्टरपंथी तत्वों के हौसले बुलंद होते रहेंगे। इसके अलावा आतंकी संगठनों को आर्थिक मदद, समर्थन व अन्य सहयोग देने वाले देशों पर भी शिकंजा कसने की जरूरत है।

दुनिया की दो महाशक्तियों के बीच बदल रहे हैं समीकरण

मनोज जोशी

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

अमेरिका–चीन संबंध अब एक बिल्कुल अलग स्तर पर पहुंच चुके हैं। यह अतीत की किसी आपसी समझ की वापसी नहीं है, बल्कि प्रतिस्पर्धा और सहभागिता से परिभाषित एक नया चरण है, जिसकी सबसे प्रमुख विशेषता लेन–देन पर आधारित व्यवहार है। ट्रम्प के नेतृत्व में आए उघ्तार–चढ़ावों से निपटने में चीन असाधारण रूप से सफल रहा है। उसने ट्रम्प के तुष्टीकरण के बजाय शांत लेकिन दृढ़ तरीके से अमेरिका का सामना करना चुना और ऐसी ट्रेड–डील हासिल की, जो उसके हितों के अनुरूप है। यही कारण है कि इसी महीने जारी नई अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में चीन को आर्थिक प्रतिस्पर्धी, लगभग समकक्ष शक्ति और ऐसा देश बताया गया है, जिसे अमेरिका और उसके सहयोगियों के तकनीकी व आर्थिक इको–सिस्टम से बाहर रखने की रणनीति जरूरी मानी गई है। इस पूरे साल दोनों देश टैरिफ को लेकर लंबी खींचतान में उलझे रहे। इस दौरान चीन ने अमेरिका द्वारा लगाए गए बेहद कठोर टैरिफों का डटकर सामना किया, जो एक समय 140प्रतिशत तक पहुंच गए थे। सितंबर में अमेरिका ने दबाव और बढ़ाने की कोशिश करते हुए उन चीनी कंपनियों की सूची का विस्तार कर दिया, जिन्हें अमेरिका से निर्यात के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य था। इसके जवाब में चीन ने अपना 'ब्रह्मास्त्र' इस्तेमाल किया– रेयर अर्थ्स से बने उत्पादों के वैश्विक इस्तेमाल पर प्रतिबंध। इनमें कारों के पुर्जे, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल और ऐसे कई अन्य उत्पाद शामिल हैं। 30 अक्टूबर को हुए बुसान व्यापार समझौते के जरिए दोनों पक्षों ने एक कदम पीछे हटने का फैसला किया। चीनी और अमेरिकी रुख के बीच बुनियादी फर्क यह रहा कि बीजिंग ट्रम्प के पहले कार्यकाल से ही इस टकराव की तैयारी कर रहा था। चीन अब भी उन्नत सेमीकंडक्टर्स, एयरोस्पेस उपकरण और तकनीक, उच्चस्तरीय मशीनरी व प्रिसीजन इंस्ट्रूमेंट्स तथा कुछ जैव–चिकित्सकीय और फार्मा उत्पादों के लिए रणनीतिक रूप से पश्चिम पर निर्भर है। इसके बावजूद, पश्चिम चीन पर कई अहम उत्पादों के लिए निर्भर बना हुआ है– इलेक्ट्रॉनिक सामान और उसके घटक, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरियां, दवाओं के कच्चे रसायन और सबसे महत्वपूर्ण, रेयर अर्थ्स और मैग्नेट। हकीकत यह है कि पिछले 20 वर्षों में ईयू और अमेरिका की उन वस्तुओं पर निर्भरता काफी बढ़ी है, जिन्हें वे मुख्य रूप से चीन से मंगाते हैंय जबकि चीन ने अमेरिका और ईयू के उत्पादों पर अपनी निर्भरता घटा दी है। 2022 में अमेरिका 5,000 से कुछ अधिक उत्पाद श्रेणियों में से 532 में चीन से आयात पर भारी रूप से निर्भर था, जो 2000 की तुलना में लगभग चार गुना अधिक है। जबकि इसी अवधि में चीन ने उन उत्पादों की संख्या लगभग आधी कर दी, जिनके लिए वह अमेरिका पर निर्भर था– 116 से घटकर 57। अमेरिका के पास आज के चीन को एक राजनीतिक और आर्थिक समकक्ष– एक औद्योगिक महाशक्ति– के रूप में देखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। बेशक चीन की अपनी कमजोरियां हैं, जनसांख्यिकीय चुनौतियां और एक अव्यवस्थित राजकोषीय स्थिति, जिसने उसकी आर्थिक गति को प्रभावित किया है। चीनी नेतृत्व संभवतः भीतर की ओर अधिक ध्यान दे रहा है और वैश्विक साम्राज्यवादी वर्चस्व के बजाय चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सर्वोच्चता बनाए रखने पर केंद्रित है। ताइवान पर कब्जे के लिए चीन के सैन्य विकल्प अपनाने की चर्चा भले ही जोर–शोर से होती रहे, लेकिन ऐसी स्थिति के घटित होने की संभावना कम है। बीजिंग का उद्देश्य ताइवान की सम्प्रभुता संबंधी बयानबाजी पर लगाम लगाना और री–यूनिफिकेशन के सवाल को फिलहाल आगे के लिए टालते रहना है। फिलहाल तो अमेरिका ताइवान के सवाल पर रणनीतिक अस्पष्टता बनाए हुए है कि सैन्य संघर्ष की स्थिति में अमेरिकी सैनिक ताइवान की रक्षा करेंगे या नहीं। बदले रिश्तों का संकेत 2026 में देखने को मिलेगा, जब ट्रम्प और शी के बीच चार बैठकें होने की संभावना है। इनमें दोनों की एक–दूसरे के देशों में राजकीय यात्राएं, फ्लोरिडा में प्रस्तावित जी–20 समिट के दौरान बातचीत और शेनझेन में होने वाले एपीईसी शिखर सम्मेलन के इतर एक और बैठक शामिल हो सकती है।

विजय का सम्मान : बंदूक और अधिकार का मिलन

दिसंबर का यह महीना, सिर्फ ठंड या छुट्टियों का नहीं हैय यह हमारे दिल की दो गहरी पुकारों का महीना है। यह वह समय है जब राष्ट्र एक साथ गर्व और पदजतवेचमब. जपवद (आत्मनिरीक्षण) के दो ध्रुवों पर खड़ा होता है। 10 दिसंबर की गूँज हमें याद दिलाती है कि मनुष्य होने के नाते, हर किसी का सम्मान और अधिकार जन्मसिद्ध है। यह पुकार उस दर्द को याद करती है जब दुनिया के किसी भी कोने में, किसी भी इंसान की गरिमा को रौंदा जाता है। यह एक वैश्विक आवाज है जो हमें याद दिलाती है कि हम सब एक ही परिवार हैं, और हर जीवन अनमोल है। इसके ठीक बाद, 16 दिसंबर को रणभूमि से दूसरी पुकार आती हैकृएक गर्जना जो हमारे वीरों के सर्वोच्च बलिदान को याद करती है। यह आवाज राष्ट्रीय गर्व से भरी है, लेकिन इसके साथ एक भारीपन भी जुड़ा है, जो उन जवानों के शौर्य और शहादत से आता है।

वास्तव में, ये दोनों पुकारें अलग नहीं हैं। एक सैनिक किसके लिए लड़ता है? वह केवल जमीन के एक टुकड़े के लिए नहीं लड़ताय वह उस सम्मान और अधिकार के लिए लड़ता है जिसे हम मानवाधिकार दिवस पर याद करते हैं। 1971 में जो हुआ, वह केवल भू–राजनीतिक समीकरण बदलने का खेल नहीं थाय यह रोते हुए लाखों लोगों की चीख थी। पूर्वी पाकिस्तान में जब क्रूरता की हद पार हो गई, जब नरसंहार ने मानवता को चुनौती दी, तब भारत ने देखा कि पड़ोसी का घर जल रहा है। हमारे सैनिकों ने हथियार उठाए, लेकिन उनके दिल में केवल देशप्रेम की आग नहीं थीकृएक गहरी करुणा भी थी। वे मुक्ति दिलाने गए थे, अत्याचारियों से नहीं, बल्कि मानव अधिकारों के सबसे बड़े उल्लंघन से। उस विजय में सिर्फ गर्व नहीं, एक आँसू भी छिपा थाकृउन लोगों का आँसू जिन्हें क्रूरता से आजादी मिली। विजय दिवस इसलिए खास है, क्योंकि इसने सिखाया कि अगर किसी की सुरक्षा खतरे में हो, तो चुप रहना सबसे बड़ा पाप है।

आज, हमारा देश कई जटिल मोर्चों पर खड़ा है। सीमा पर हमारे जवान बर्फीली चोटियों पर खड़े हैं, कड़ाके की ठंड में देश की ढाल बने हुए हैं, ताकि हम अपने घरों में चौन से सो सकें। यह उनका बलिदान का पवित्र अनुबंध है। लेकिन नागरिक के रूप में हमारा कर्त्तव्य केवल उन्हें सलाम करना और जय हिंद कहना नहीं है। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जिस सम्मान और न्याय के लिए उन्होंने बलिदान दिया, वह घर के अंदर सुरक्षित रहे। क्या हम हर नागरिक को समान समझते हैं, जैसा कि हमारा संविधान गारंटी देता है? क्या हम उनकी निजता (त्तपअंबल) और न्याय की भावना का आदर करते हैं? जब हम घरेलू कलह, असहिष्णुता या किसी भी प्रकार के भेदभाव को देखते हैं, तो हम अनजाने में अपने सैनिकों के बलिदान का अपमान करते हैं। एक सच्चे, मजबूत राष्ट्र की पहचान उसके युद्धपोतों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि उसके सबसे कमजोर नागरिक को कितना सुरक्षित और सम्मानित महसूस होता है।

हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि राष्ट्र प्रेम केवल सीमाओं पर खड़े होकर जयकार करने तक सीमित नहीं है। यह एक अदृश्य, लेकिन अटूट धागा है जो हमें एक–दूसरे से जोड़ता हैकृचाहे हम किसान हों, शिक्षक हों, डॉक्टर हों, या श्रमिक। जब एक नागरिक न्याय के लिए लड़ता है, तो वह भी एक तरह से देश की आंतरिक गरिमा की रक्षा कर रहा होता है। जब हम किसी बेसहारा की मदद करते हैं, किसी जरूरतमंद को सहारा देते हैं, या किसी के अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं, तो हम वास्तव में उस भारतवर्ष को बचा रहे होते हैं जिसके लिए हमारे जवानों ने बलिदान दिया। हम सब एक दूसरे के सैनिक हैं। सीमा पर खड़ा सैनिक हमारा बाह्य कवच है, और हमारा आपसी प्रेम और सम्मान हमारा आंतरिक कवच है। राष्ट्र के प्रति सच्चा प्रेम यही है कि हम हर रोज अपनी जिम्मेदारी निभाएँरू सीमा पर खड़े वीर का सम्मान करके, और घर के भीतर हर नागरिक का सम्मान करके।

निष्कर्षतः, 1971 की विजय हमें यह स्थापित करने का अवसर देती है कि सुरक्षा की सच्ची जीत वह होती है जब वह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है। हमें एक ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ सेना मजबूत हो, लेकिन जहाँ न्याय की आवाज भी कमजोर न पड़े। जहाँ हम बाहरी खतरों को जवाब दे सकें, लेकिन अपने ही नागरिकों की गरिमा को ठेस पहुँचाने से पहले सौ बार सोचें। आइए, इस दिसंबर में, हम विजय दिवस का जश्न मनाते हुए केवल गर्व से अपनी छाती फुलाएँ नहीं, बल्कि साथ ही, अपने दिल को और बड़ा करें। क्योंकि विजय का सबसे बड़ा सम्मान युद्ध के मैदान में दर्ज नहीं होता, बल्कि हर उस व्यक्ति के अधिकार और सम्मान को बचाने में होता है जो इस देश को अपना घर कहता है। तभी विजय दिवस का उत्सव सही मायने में सार्थक हो पाएगा।

भारत भूमि , जहाँ धर्म और संस्कृति की विविधता सदियों से साथ–साथ चलती आई है, हम प्रतिज्ञा करें कि हम आपसी सम्मान और एकता के इस आंतरिक कवच को कभी कमजोर नहीं होने देंगे।

डॉ संगीता बनाफर प्रदेश
अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद
शैक्षिक प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

घायल मानवता दिखी, मिला नहीं उपचार।
दानवता का राज्य है, कौन करे उपकार।।
कौन करे उपकार, मुखौटे चढ़ते दिखते।
गिरा आज इंसान, सभी पैसों से बिकते।।
कहती रचना आज, टूटती अब है पायल।
रोते सारे साज, और मानवता घायल।।

घायल रोता दर्द से, यह सज्जन का हाल।
चाकू लेकर है खड़ा, यूँ कपटी का जाल।।
यूँ कपटी का जाल, बुना है छल से सारा।
सीधे सच्चे लोग, बहाते आँसू खारा।।
कहती रचना आज, जगत है इसका कायल।
मिले एकदिन लक्ष्य, भले सज्जनता घायल।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

सिर्फ यादें रह गईं

(धारावाहिक लघु उपन्यास) (भाग – 2)

लेखिका – अतिया नूर

धीरे–धीरे मैं डिप्रेशन का शिकार होने लगी, मुझे नींद आनी बंद हो गई लेकिन मैंने ये किसी पर जाहिर नहीं किया, अपने मां– बाप पर तो बिल्कुल भी नहीं। मेरा दिल अंदर से बुझ रहा था। मैं उस दिये की तरह थी जो दुनिया के सामने तो कई रंगों में जलता है लेकिन अंदर ही अंदर राख का ढेर होता है। यकीनन मैं माँ– बाप की इज्जत के लिए जीने–मरने वाली बेटी थी, तकदीर के फैसले को अपनी किस्मत का लिखा मानकर जिंदगी की नाव को तूफानों के थपेड़ों के हवाले कर चुकी थी, और हर दिन इन तूफानों से दो– चार होती रही, होती रही३।

दरअस्ल शेखर अपने मां–बाप के आज्ञाकारी बेटे और भाई– बहनों के बहुत प्यारे भाई थे, इतने प्यारे कि उनकी कही, सिखाई हर सही– गलत बात पर वो आंख मूंद कर विश्वास करते थे। छः बहनों और पाँच भाइयों में वो सबसे बड़े और उस समय घर के इकलौते कमाऊ बेटे थे तो उनका रूतबा ही अलग था, हर कोई उनको आवभगत में और अपनी तरफ खींचने की जुगत में लगा रहता था। ससुराल का माहौल बड़ा ही अजीब था, लोग छोटी–छोटी बातों पर हर समय लड़ते – झगड़ते रहते थे। दिन भर मैं घर के काम करती थी लेकिन शेखर के आते ही सब के सब ये दिखाने में व्यस्त हो जाते कि सारा दिन मैंने आराम किया और वे काम कर–कर के बुरी तरह थक गए हैं। उनके झूठ पर मैं दंग रह जाती थी। ये झूठ का कारोबार मैं आए दिन देखती और सोचती रहती कि– "मैं कहाँ आ गई? और अब मैं क्या करूँ? मैं समझ नहीं पा रही थी कि अगर यही परिस्थिति रही तो जिंदगी कैसे गुजारूंगी? क्यूंकि शेखर की आँखों पर अपने घरवालों की मुहब्बत और झूठ का ऐसा चश्मा चढ़ा था कि वो झूठ के सिवा कुछ भी देखने में असमर्थ थे। मुहब्बत के चश्मे तक तो बात ठीक थी मगर मेरा कहा भी तो सुनते वो, मैं भी तो अपने घर और माँ–बाप को छोड़कर उनके घर आई थी। आखिर मैं किससे बांटती अपने एहसास?

मैं शुरू से ही उनके घर वालों की आंख की किरकिरी बन चुकी थी, उनके घरवालों को ये लगता था कि अब शेखर की सारी दौलत मैं हड़प लूंगी, उन्हें उन सबसे दूर कर दूंगी. . आदि आदि...।

जबकि मैं कभी भी नहीं जान सकी कि शेखर की तनख्वाह कल कितनी थी और आज कितनी है और किसी की औलाद को या किसी के भाई को छीन लेना, न तो मेरी परवरिश में था न उसूलों में।

उनकी दौलत और उनकी किसी बात का हिसाब मैंने रखना बंद कर दिया, क्योंकि जब दिल बुझा तो हर तमन्ना बुझ गई। यूँ भी मुझे ऐसी किसी चीज की तमन्ना कभी नहीं थी जो मुझे जबरदस्ती कोई दे, सो मैं शेखर की दौलत की तरफ नजर भी उठाकर नहीं देखती थी, मगर उनके घरवालों को और दुनिया वालों को इसकी खबर कहाँ थी? मैंने अपने चेहरे से महरूमियों को कभी झलकने ही कहाँ दिया था। लोग बाग तो मुझे हंसते– मुस्कुराते देख कर ही जलन के शिकार हो जाते थे और मुझे नेस्तनाबूद करने की कोशिशों में ही लगे रहते थे।

हालांकि मैं एक बीवी थी और मेरे पास तमाम अधिकार थे, लेकिन मैं बहुत अपरिपक्व थी, मैं अधिकार शब्द पर बात करने से भी डरती थी, मुझे ये अच्छी तरह समझ में आ गया था कि – अगर मैंने जुबान भी खोली तो ये मेरे

खिलाफ हर सीमा लांघ जाएंगे, इसलिए मुझे जो मिल गया मैंने उससे ज्यादा पर हक भी नहीं जताया और कभी जताने की कोशिश की तो मिला भी नहीं..।

मैं शेखर के दिल में अपनी जगह न बना सकूं इसके लिए उनके घरवाले किसी भी हद को पार कर सकते थे। दिन–रात उनके कान भरना, मेरे और मेरे घर वालों के खिलाफ गलत बातें बताकर उन्हें भड़काना, जैसे उनकी जिंदगी का मकसद हो गया था।

हालांकि मैं सोचती हूँ कि शेखर के घर वालों को क्या कहूं..? वो बेचारे कहां गलत थे? दुनिया में ऐसा तो बहुत लोगों के साथ होता ही रहता है। सभी तो डरते हैं अपने बेटे और भाई को खोने से, सो वो बेचारे भी तो इसी दुनिया का हिस्सा थे..

लेकिन मेरी ये सोच सही मायनों में गलत थी, उस वक्त ही मुझे ये सोचना लाजमी था कि जिन मां– बाप, भाई– बहनों के दृष्टिकोण ऐसे होते हैं वो अपने बच्चों, अपने भाई को शादी के बंधन से आजाद रखें और उनकी दौलत पर ऐश करें.. किसी की बेटी– बहन को अपने घर में लाकर उसकी जिंदगी को जहन्नुम बनाने का किसी को कोई अधिकार नहीं, लेकिन आवाज उठाती भी कैसे? जिंदगी से समझौता जो कर बैठी थी.. .

शेखर का व्यवहार दिन ब दिन बद से बदतर होता जा रहा था। मुझे बात– बात पर झिड़कना, जलील करना, मेरे अच्छे से अच्छे काम में ऐब निकालना, कहीं जाने नहीं देना, मेरे हर एहसास को बेरहमी से कुचल देना उनके नेचर का हिस्सा बन चुका था, जिसका शिकार मैं दिन में कई बार होती थी मगर हर बार यही सोचती थी कि– एक दिन सब कुछ ठीक हो जाएगा, लेकिन वो दिन कभी नहीं आया। अपनी हरकतों पर वो कभी शर्मिंदा नहीं हुए, वो इस नजरिए के भी कायल थे कि मर्द ऐसा ही होता है, वो जब चाहे बीवी को जलील कर सकता है और जब चाहे मुहब्बत का दावा ठोंक सकता है।

अपने इस बिहैवियर के बाद भी उन्हें मुझसे हमेशा ये उम्मीद रही कि मैं उनके लिए सजकर, तैयार होकर मुस्कुराती रहूं और उनके कसीदे पढ़ती रहूं और लोगों को दिखाऊं कि मेरी शादी कितने बड़े और अच्छे घर में कितने अमीर इंसान के साथ हुई है लेकिन मेरे लिए जो सच था बस वही सच था, हालांकि मैंने उनकी बुराई कभी किसी से नहीं की लेकिन उनके कसीदे भी नहीं गढ़ सकी। मेरी आत्मा अंदर तक जख्मी थी, मैं दुनिया को दिखाने के लिए जरूर हंसती थी, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि मेरा सच कोई भी जाने, मैं सबको बताती थी कि मैं बहुत खुश हूं लेकिन वो महज एक दिखावा ही तो था।

समीर जब मेरे पेट में आया उस वक्त हालात कुछ ठीक हुए मगर इतने खुशगवार नहीं कि कह सकूं कि मारे खुशी के मेरे कदम जमीन पर नहीं पड़ रहे थे या मैं खुशी के मारे आस्मान में उड़ी जा रही हूँ।

प्रयागराज उत्तर प्रदेश

ऑडियो सीरीज में गूंजेगा बाहुबली का नया अध्याय, सामने आएंगी अनकही कहानियां

भारत की सबसे प्रतिष्ठित फैंटेसी फ्रैंचाइजी बाहुबली अब कहानी कहने के एक बिल्कुल नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। फ्रैंचाइजी की 10वीं वर्षगांठ के मौके पर, एसएस राजामौली की सिनेमाई कृति के पीछे की क्रिएटिव स्टूडियो ने पाकेट एफएम के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत 250 से अधिक एपिसोड की एक बिल्कुल नई ओरिजिनल ऑडियो सीरीज पेश की जाएगी। यह नया अध्याय महिष्मति की भव्य दुनिया को इमर्सिव ऑडियो स्टोरीटेलिंग के जरिए फिर से गढ़ेगा। कहानी बाहुबली के स्थापित यूनिवर्स में ही आधारित होगी, लेकिन इसमें नए संघर्ष, अनसुनी कहानियाँ और ऐसे पहलू सामने आएँगे, जिन्हें अब तक पर्दे पर नहीं दिखाया गया है। हिंदी, तमिल और तेलुगु में उपलब्ध यह ऑडियो सीरीज लंबे समय से बाहुबली को पसंद करने वाले प्रशंसकों के साथ–साथ उन नए दर्शकों को भी ध्यान में रखकर बनाई गई है, जो पहली बार इस दुनिया से जुड़ रहे हैं। उच्च–स्तरीय वॉइस परफॉर्मेंस, विस्तृत साउंड डिजाइन और वातावरण रचता संगीत उस भव्यता, भावनात्मक गहराई और मिथकीय ताकत को दोबारा जीवंत करने का प्रयास करेगा, जिसने बाहुबली को एक सांस्कृतिक मील का पत्थर बनाया। पाकेट एफएम के को–फाउंडर और सीईओ रोहन नायक ने कहा, "बाहुबली एक सांस्कृतिक धरोहर है, जिसने पूरी एक पीढ़ी को प्रेरित किया है और आज भी करता है। इस विरासत को ऑडियो स्टोरीटेलिंग की दुनिया में लाना हमारे लिए सम्मान भी है और एक रचनात्मक चुनौती भी, जिसे हमने पूरे दिल से स्वीकार किया है। पाकेट एफएम में हमारा हमेशा से मानना रहा है कि कल्पना सबसे शक्तिशाली स्क्रीन है। ।तां डमकपूंवतो के साथ यह सहयोग इसलिए खास है क्योंकि हम बाहुबली यूनिवर्स को एक नई मूल कहानी के साथ आगे बढ़ा रहे हैं,जहाँ महिष्मति को सिर्फ सुना नहीं जाता, बल्कि महसूस किया जाता है। यह साझेदारी आने वाले वर्षों में भारत में कहानी अनुभव करने के तरीकेध को नई दिशा देगी।" ।तां डमकपूंवतो के को–फाउंडर शोभू यारलगड्डा ने कहा, "बाहुबली यूनिवर्स का विस्तार हमेशा से हमारी सोच का हिस्सा रहा है और पाकेट एफएम के साथ यह सहयोग उसी यात्रा का अगला कदम है। यह ऑडियो सीरीज भी फिल्मों की तरह ही जड़ों से जुड़ी और प्रभावशाली कहानी कहने की भावना से पैदा हुई है। इस दुनिया को नए फॉर्मेट्स में आगे बढ़ते देखना सुखद है और हमें उम्मीद है कि श्रोता इस नए अध्याय का भरपूर आनंद लेंगे।"यह ऑडियो रूपांतरण बाहुबली के एक मल्टी–फॉर्मेट यूनिवर्स के रूप में निरंतर विकास को दर्शाता है। यह साबित करता है कि यह फ्रैंचाइजी सिनेमाई पर्दे से आगे भी नई कहानियों को जन्म देने और दर्शकों से गहराई से जुड़ने की क्षमता रखती है। इस विस्तार के साथ दर्शक बाहुबली की उस विरासत को और गहराई से महसूस कर सकेंगे, जिसने पिछले एक दशक से भारतीय पॉप कल्चर पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

> “
> पाकेट एफएम के को-फाउंडर और सीईओ रोहन नायक ने कहा, "बाहुबली एक सांस्कृतिक धरोहर है, जिसने पूरी एक पीढ़ी को प्रेरित किया है और आज भी करता है। इस विरासत को ऑडियो स्टोरीटेलिंग की दुनिया में लाना हमारे लिए सम्मान भी है और एक रचनात्मक चुनौती भी, जिसे हमने पूरे दिल से स्वीकार किया है। पाकेट एफएम में हमारा हमेशा से मानना रहा है कि कल्पना सबसे शक्तिशाली स्क्रीन है।

रॉब रेनर और मिशेल की हत्या मामले में नया मोड़, बेटे पर टिकी शक की सुई, पुलिस ने किया अरेस्ट

हॉलीवुड इंडस्ट्री से जुड़ी एक चौंकाने वाली खबर ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। मशहूर फिल्म निर्देशक रॉब रेनर और उनकी पत्नी मिशेल सिंगर रेनर के शव उनके ही घर से बरामद किए गए। इस खबर के सामने आते ही पूरी इंडस्ट्री में सनसनी फैल गई। वहीं, इस डबल मर्डर केस में अब एक नया और चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। पुलिस जांच के दौरान शक की सुई कपल के बेटे निक रेनर पर जाकर टिक गई है। इसके बाद पुलिस ने निक को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, 14 दिसंबर को रॉब रेनर और मिशेल सिंगर की हत्या की गई थी। शुरुआती जांच में पुलिस ने कई एंगल से मामले को देखा, लेकिन सबूतों और परिस्थितियों के आधार पर सबसे पहले शक बेटे निक रेनर पर गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, अभी तक यह आधिकारिक रूप से साबित नहीं हो पाया है कि हत्या के पीछे वही जिम्मेदार है या इस मामले में कोई और शामिल है। फिलहाल जांच जारी है और पुलिस हर पहलू को बारीकी से खंगाल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निक रेनर इस समय लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट की हिरासत में है। उसकी जमानत राशि करीब 40 लाख डॉलर तय की गई है। बताया जा रहा है कि रविवार को ही उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। शुरुआत में इस डबल मर्डर की जानकारी को गोपनीय रखा गया था, लेकिन बाद में मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए यह खबर सामने आई। इसके बाद परिवार ने मीडिया से इस कठिन समय में प्राइवेसी बनाए रखने की अपील की। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि निक रेनर और उनके पिता रॉब रेनर के बीच रिश्ते ज्यादा अच्छे नहीं थे। हालांकि, दोनों ने फिल्म 'बीइंग चार्ली' में साथ काम भी किया था। इस फिल्म को निक ने लिखा था, जबकि रॉब रेनर ने इसका निर्देशन किया था। अब इन पुराने रिश्तों और मतभेदों को भी जांच के दायरे में लाया जा रहा है।रॉब रेनर हॉलीवुड के जाने–माने निर्देशक, निर्माता और अभिनेता थे। उन्होंने अपने करियर में कई यादगार फिल्मों का निर्देशन किया, जिनमें 'व्हेन हैरी मेट सैली', 'मिजरी' और 'ए फ्यू गुड मेन' जैसी क्लासिक फिल्में शामिल हैं। उन्होंने साल 1989 में मिशेल सिंगर से शादी की थी और दोनों के बच्चे भी हैं। रॉब रेनर का नाम हॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर्स में शुमार किया जाता है।

दूसरे सोमवार को रणवीर सिंह का जलवा, सिंगल लैंग्वेज कलेक्शन में इतिहास रचा

रणवीर सिंह ने 'धुरंधर' के साथ ऐसा बॉक्स ऑफिस कारनामा कर दिखाया है, जैसा भारतीय सिनेमा ने शायद ही पहले कभी देखा हो। इस फिल्म के जरिए अभिनेता ने ऐसे ऐतिहासिक आंकड़े हासिल किए हैं, जो पैमाने, निरंतरता और जबरदस्त जन–स्वीकृति के दम पर पूरी तरह बेजोड़ हैंकृवह भी सिर्फ एक ही भाषा के बाजार में। बिना मल्टी–लैंग्वेज रिलीज के सहारे इस तरह का प्रदर्शन भारतीय बॉक्स ऑफिस इतिहास में एक दुर्लभ क्षण है। फिल्म के आंकड़े इस उपलब्धि की विशालता को साफ दर्शाते हैं। 'ध ुरंधर' ने भारत में 396.40 करोड़ का कलेक्शन किया है, जबकि ओवरसीज वीकेंड कलेक्शन 123.66 करोड़ के चौंकाने वाले आंकड़े तक पहुंच चुका है, जो वैश्विक स्तर पर फिल्म को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया को दर्शाता है। ये आंकड़े सिर्फ प्रभावशाली ही नहीं हैं। बल्कि यह मजबूत पकड़, लगातार रफ्तार और रिपीट ऑडियंस का संकेत भी देते हैं, जिस पर ट्रेड एनालिस्ट्स ओपनिंग डे की चर्चा से आगे खास नजर रखते हैं। इस रन को वाकई ऐतिहासिक बनाता है इसका ओपनिंग वीकेंड के बाद भी लगातार मजबूती से चलना। दूसरे वीकेंड और सोमवार के प्रदर्शन ने नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं, यह साबित करते हुए कि फिल्म की सफलता केवल शुरुआती जिज्ञासा पर नहीं, बल्कि दर्शकों के भरोसे और जबरदस्त वर्ड ऑफ माउथ पर टिकी है। दिन–ब–दिन रिकॉर्ड टूटते गए हैं, जिससे 'धुरंधर' एक परिभाषित बॉक्स ऑफिस इवेंट बनकर उभरी है। इस पूरी सफलता के केंद्र में हैं रणवीर सिंहकृजो एक दमदार कमबैक के साथ भारतीय सिनेमा को आगे बढ़ा रहे हैं और खुद को मासेस के किंग के रूप में स्थापित कर रहे हैं। अलग–अलग सेंटर्स, डेमोग्राफिक्स और जियोग्राफीज में दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने की उनकी क्षमता, ऑडियंस के साथ उनके बेजोड़ कनेक्शन को और मजबूत करती है। पूरी तरह 'बीस्ट मोड' में नजर आ रहे रणवीर ने सिर्फ आंकड़े नहीं दिए, बल्कि एक भरोसा दिया हैकृ स्टार–ड्रिवन, परफॉर्मेंस–लेड सिनेमा पर भरोसा। यह ऐतिहासिक सफर सिर्फ एक हिट फिल्म की कहानी नहीं हैय यह रणवीर सिंह को उनकी पीढ़ी के सबसे बेहतरीन अभिनेता के रूप में स्थापित करता हैकृजो आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं और बॉक्स ऑफिस की संभावनाओं को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

ये मुझे असहज कर देता..रणवीर सिंह का नाम लिए बिना ऋषभ शेट्टी ने तोड़ी चुप्पी, चामुंडा देवी का मजाक उड़ाने पर मचा था बवाल

रणवीर सिंह इन दिनों अपनी फिल्म धुरंधर के कारण चर्चा में हैं। हालांकि, इससे पहले भी वो खूब विवादों में आए थे और इसकी वजह थी साउथ स्टार ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चौप्टर 1 के एक सीन में देवी चामुंडा की नकल करना, जिससे लोगों की भावनाएं आहत हुई थीं। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद रणवीर ने सफाई पेश करते हुए माफी भी मांगी थी। वहीं, अब हाल ही में इस मैटर पर ऋषभ शेट्टी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने सीधे तौर पर रणवीर सिंह का नाम नहीं लिया। हाल ही में कांतारा एक्टर ऋषभ शेट्टी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ये मुझे असहज कर देता है। हालांकि फिल्म का अधिकांश हिस्सा सिनेमा और एक्टिंग है, लेकिन दैवीय तत्व संवेदनशील और पवित्र है। मैं जहां भी जाता हूं, लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे इसे मंच पर परफॉर्म न करें या इसका मजाक न उड़ाएं। यह इमोशनल रूप से हमसे गहराई से जुड़ा हुआ है। भले ही ऋषभ शेट्टी ने अपनी बातचीत में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका ये बयान रणवीर सिंह के मजाक उड़ाने के बाद सामने आया है। रणवीर ने आईएफएफआई के दौरान स्टेज पर ऋषभ शेट्टी की तारीफ करते हुए देवी चामुंडा को फीमेल भूत बताया था और फिल्म के एक सीन की एक्टिंग करते नजर आए थे। उनका ये वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया था और उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई थीं। हालांकि, विवाद बढ़ते देख रणवीर सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए माफी भी मांगी थी।

धुरंधर बनाना वाकई बुरा लग रहा है..श्रद्धा कपूर ने किया रणवीर सिंह की फिल्म का रिव्यू, कहा- तीन महीने इंतजार करवाया

बॉलीवुड फिल्म धुरंधर की हर तरफ तारीफ हो रही है। फिल्म में रणवीर सिंह ,अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल अहम भूमिका में नजर आए हैं। इसने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी और इसे दर्शकों से भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। कई सेलेब्स भी धुरंधर देखने के बाद इसकी तारीफ कर चुके हैं। इसी बीच अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का नाम भी शामिल हो गया है। श्रद्धा कपूर ने इस फिल्म की तारीफ करते हुए दूसरे पार्ट के लिए भी अपनी उत्सुकता जाहिर की है। श्रद्धा कपूर ने फिल्म धुरंधर की तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर कई स्टोरीज शेयर कीं। अपनी स्टोरीज में उन्होंने लिखा, 'आदित्य धर का धुरंधर बनाना वाकई बुरा लग रहा है, क्योंकि दूसरे पार्ट के लिए हमें तीन महीने का इंतजार करवाया है। हमारी भावनाओं के साथ खिलवाड़ मत करो। कृपया इसे पहले रिलीज कर दो।'श्रद्धा कपूर ने फिल्म धुरंधर की तारीफ करते हुए कहा कि क्या शानदार अनुभव रहा। यदि सुबह शूट नहीं होता तो अभी जाकर दोबारा देखती है। उन्होंने इस साल हिंदी सिनेमा को मिली हिट फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि 'छावा', 'सैयारा' और 'धुरंधर' सभी 2025 के हिंदी सिनेमा में। श्रद्धा कपूर ने आदित्य धर की पत्नी और एक्ट्रेस यामी गौतम को मिले निगेटिव पीआर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'यामी गौतम को निगेटिव पीआर और मनगढ़ंत विवादों का सामना करना पड़ा, लेकिन धुरंधर ने इन सब का सामना किया और शानदार प्रदर्शन किया। कोई भी बुरी ताकत एक अच्छी फिल्म को नीचे नहीं गिरा सकती। हमें दर्शकों पर भरोसा है।'

बच्चों को खिलाएं हेल्दी क्रिस्पी शकरकंद के चिप्स, बार-बार मांगेंगे, जानें बनाने का तरीका और इसके फायदे

सर्दियों के मौसम में बाजारों में शकरकंदी खूब मिलती है। एक बार शकरकंदी घर लेकर आए फिर इससे बनाएं टेस्टी और हेल्दी चिप्स। यह स्वाद के साथ सेहत के लिए भी अच्छे होते हैं, क्योंकि शकरकंदी में कई पोषक तत्व पाएं जाते हैं। बच्चों के लिए काफी फायदेमंद होते शकरकंद चिप्स, इसे बनाना काफी आसान है। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाएं क्रिस्पी शकरकंद चिप्स की रेसिपी।

क्रिस्पी चिप्स बनाने की विधि

– सबसे पहले आप शकरकंद को अच्छे से धो ले और इसे छील लें।

– फिर इन्हें लंबे पतले चिप्स के आकार में काट लें।

– इन पतलों टुकड़ों को हल्का गोल घुमाकर कबाब वाली स्टिक पर लपेट दो।

– गरम तेल में डालकर मीडियम आंच पर कुरकुरे होने तक डीप फ्राई कर लें।

– फ्राई होने के बाद इसे ठंडा होने दें।

– अब इसके ऊपर नमक छिड़क दें।

शकरकंद के चिप्स को कैसे सर्व करें

– जब आपके चिप्स बन जाएं तो इसे घर की बनी डीप के साथ ही सर्व कर सकती हैं।

– चाहें आप चिप्स को सॉस के साथ सर्व कर सकते हैं।

– घर में आए मेहमानों के लिए के लिए आप शकरकंद चिप्स बना सकते हैं।

शकरकंद के चिप्स खाने के फायदे

– शकरकंद पोषण से भरपूर होता है और इसमें विटामिन । की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद है। इसे खाने से बच्चों की आंखों से जुड़ी समस्याएं कम हो सकती हैं।

–अगर बच्चों को आलू पसंद है, तो उसकी जगह शकरकंद देना एक हेल्दी विकल्प है। इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम भरपूर होते हैं, इसलिए हफ्ते में 2द्3 बार बच्चों को शकरकंद खिलाया जा सकता है।

– शकरकंद से बने चिप्स इतने स्वादिष्ट होते हैं कि बच्चे बाहर के अनहेल्दी चिप्स भूल सकते हैं। इन्हें स्टोर करके बच्चों के लिए हेल्दी स्नैक्स के रूप में भी रखा जा सकता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए अमृत हैं ये फल, दिल की बीमारियां रहेंगी दूर

पके हुए ताजे फल खाने से शरीर पर वैसा असर नहीं होता है, जैसा प्रोसेस्ड और शुगर से भरपूर फूड आइटम जैसे पेस्ट्री और केक जैसी चीजों को खाने से पड़ता है। बता दें कि फलों में फाइबर और पानी की एक सुरक्षा परत होती है। फल विटामिन्स, पॉलीफेनॉल एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। साबुत और ताजे फलों का सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों में ब्लड ग्लूकोज काफी हद तक कम हो जाता है। हालांकि फलों के चुनाव को लेकर डायबिटीज के मरीजों में कंफ्यूजन बना रहता है कि कौन सा फल उनके लिए सुरक्षित है और कौन सा नहीं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसे 6 फलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका प्राकृतिक रूप से ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है।

जानिए क्या है फलों का सुरक्षित डोज

एक स्टडीज के अनुसार, डायबिटीज से पीड़ित जो मरीज फल खाते हैं, उनको दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। इसके बाद भी इन मरीजों को एक तय मात्रा में फल खाने की सलाह दी जाती है।

एक्सपर्ट के अनुसार, एक बारे में ढेर सारा फल खाने की बजाय पूरे दिन में इसको तीन हिस्सों में बांटे। फिर इनके खाने के समय के बीच में गैप रखें। एक बारे में दो बड़े चम्मच से लेकर एक चौथाई कप तक फल खाना सुरक्षित होता है।

सेब

सेब का सेवन करने से न सिर्फ ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। बल्कि सेब में घुलनशील फाइबर, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

नाशपाती

नाशपाती में 84% तक पानी पाया जाता है। वहीं इस फल में काफी सारा विटामिन और फाइबर भी पाया जाता है, जोकि ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है। लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के साथ यह शरीर इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाता है।

एवोकोडो

एवोकाडो हेल्दी फैट्स और पोटेशियम से भरपूर होता है। यह फल डायबिटीज के मरीजों के लिए लाभकारी होता है। यह बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के लेवल को कम करता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स डायबिटीज मरीजों के लिए कम और सुरक्षित माना गया है।

अनार

डायबिटीज के मरीजों के लिए अनार काफी फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि अनार ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में सहायता करता है।

पपीता

पपीता में ढेर सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो इसको डायबिटिक के लिए हेल्दी बनाते हैं। बल्कि हार्ट डिजीज से बचाव करने के लिए भी यह फायदेमंद है। पपीता में एंजाइम पाया जाता है, जो फ्री रेडिकल से बचाता है।

छोटी सी आदत, लेकिन आंखों के लिएं बड़ा सुकून

आज के डिजिटल युग में मोबाइल, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन के लगातार इस्तेमाल से आंखों में थकान, जलन और भारीपन होना आम समस्या बन गई है। कई बार नजर धुंधली लगने लगती है और फोकस करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आई मसाज पॉइंट्स आंखों को आराम देने और थकान कम करने का आसान तरीका बन सकते हैं।डॉक्टक के अनुसार, आंखों के आसपास मौजूद कुछ खास पॉइंट्स को हल्के हाथों से मसाज करना आंखों को रिलैक्स करने में मदद करता है। सिर्फ कुछ सेकंड की ये आसान मसाज आंखों की थकान और स्क्रीन स्ट्रेस कम कर सकती है।

आंख के अंदरूनी कोने का पॉइंट

यह पॉइंट नाक और आंख के बीच, आंख की हड्डी के पास होता है।

हल्के हाथ से गोल–गोल मसाज करने से नजदीक देखने से होने वाली थकान कम होती है।

मसाज के बाद पढ़ते या स्क्रीन देखते समय नजर ज्यादा साफ महसूस होती है।

आंख के बाहरी कोने (कनपटी की ओर) का पॉइंट

आंख के बाहरी किनारे से थोड़ा बाहर, कनपटी की तरफ यह पॉइंट होता है।

हल्का दबाव देकर गोल घुमाने से दिनभर देखने से पैदा हुआ तनाव कम होता है।

सिरदर्द और कनपटी की जकड़न में भी राहत मिलती है।

भौंह के ऊपर अंदर की तरफ का पॉइंट

यह पॉइंट भौंह की हड्डी के ऊपर, अंदरूनी हिस्से में होता है।

हल्के हाथ से मसाज करने पर पलकों का भारीपन और माथे की खिंचाव कम होती है।

आंख के नीचे गाल की हड्डी वाला पॉइंट

आंख के नीचे गाल की हड्डी के किनारे मौजूद यह पॉइंट है।

तर्जनी उंगलियों से हल्के गोल घुमाने पर सूजन, पफीनेस और थकान में राहत मिलती है।

आंखों के नीचे का हिस्सा हल्का और फ्रेश महसूस होता है।

बेहतर असर के लिए टिप्स

हर 20–30 मिनट में स्क्रीन से ब्रेक लें।

पलकें झपकाएं और पर्याप्त पानी पिएं।

हफ्तेभर नियमित मसाज करने से आंखों की थकान कम होती है और नजर आरामदायक महसूस होती है।

मसाज करते समय ध्यान रखें

हाथ अच्छी तरह धो लें।

शांत जगह और हल्की रोशनी में मसाज करें।

हल्का दबाव दें, जोर न लगाएं।

गहरी और धीमी सांस लेते रहें।

हर पॉइंट पर 10 सेकंड मसाज करें, दिन में सुबह और रात।

अगर तेज दर्द हो या आंखों में कोई बीमारी हो, पहले डॉक्टर से सलाह लें।

आपके कंधे मजबूत है या नहीं? सिर्फ 1 मिनट निकालकर घर पर ही करें टेस्ट

कंधों का दर्द आज के समय में आम समस्या बन गई है। कंधों का दर्द अचानक भी हो सकता है और धीरे–धीरे भी बढ़ सकता है। सही समय पर इसके लक्षण पहचान लेना बहुत जरूरी है, ताकि समस्या गंभीर न बने। डॉक्टरों के अनुसार कंधों की सेहत जांचने के लिए एक बहुत ही आसान मूवमेंट है। इससे आप यह चेक कर सकते हैं कि आपका कंधे हेल्दी है या नहीं। चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

टेस्ट मूवमेंट– "हाथ पीछे ले जाना"

सीधे खड़े हो जाएं या बैठ जाएं। एक हाथ को पीछे से ऊपर की ओर ले जाएं (जैसे पीठ खुजलाने की कोशिश करते हैं)। अब दूसरा हाथ ऊपर से पीछे की ओर ले जाकर दोनों हाथों को मिलाने की कोशिश करें। ही प्रक्रिया दोनों तरफ से करें। अगर दोनों हाथ आसानी से पास–पास या मिल जाते हैं तो कंधे काफी हद तक स्वस्थ हैं। अगर दर्द, खिंचाव, जकड़न हो या हाथ पीछे न जाए तो कंधों में स्टिफनेस या कम मोबिलिटी हो सकती है।

एक और आसान टेस्ट (वैकल्पिक)

दोनों हाथ सीधे ऊपर उठाएं और देखें क्या बिना दर्द पूरे ऊपर जा रहे हैं? क्या दोनों हाथ बराबर ऊंचाई तक उठ रहे हैं?

अगर दर्द या रुकावट हो, तो कंधों पर ध्यान देना जरूरी है। टेस्ट के दौरान जोर न लगाएं। तेज दर्द, सूजन या लंबे समय से जकड़न हो तो डॉक्टर,फिजियोथेरेपिस्ट से सलाह लें।

कंधों को ठीक करने के लिए असरदार स्ट्रेच

1. किसी दरवाजे के फ्रेम के बीच खड़े हो जाएं।
2. दोनों हाथों को कोहनी से मोड़कर दरवाजे पर रखें।
3. अब धीरे–धीरे शरीर को आगे की ओर झुकाएं।
4. छाती और कंधों में हल्का खिंचावमहसूस होगा।
5. इस स्थिति में 20–30 सेकंड रहें।
6. इसे दिन में 2–3 बार दोहराएं।

स्ट्रेच के फायदे

इससे कंधों की जकड़न कम होती है, पोस्टचर सुधरता है, फ्रोजन शोल्डर और गर्दन दर्द का खतरा घटता है और हाथ ऊपर उठाने में आसानी होती है। अगर दर्द 2 हफ्ते से ज्यादा बना रहे, दर्द के साथ सुन्नपन, कमजोरी या सूजन हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

सर्दियों में इस तरह करेंगी पैरों की देखभाल तो नहीं फटेंगी एड़ियां, सॉफ्ट और स्मूथ होंगे पैर

सर्दियां बढ़ते ही कई लोगों की एड़ियां फटने लगती हैं। क्योंकि मौसम में नमी की कमी हो जाती है और पैरों की स्किन सूख जाती है। यही सूखापन आगे चलकर दर्द भरी दरारों में बदल जाती हैं। जिसके कारण चलने–फिरने में परेशानी होने लगती है।

सर्दियों के मौसम में हमारी स्किन को सबसे ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। खासकर पैरों को। सर्दियां बढ़ते ही कई लोगों की एड़ियां फटने लगती हैं। क्योंकि मौसम में नमी की कमी हो जाती है और पैरों की स्किन सूख जाती है। यही सूखापन आगे चलकर दर्द भरी दरारों में बदल जाती हैं। जिसके कारण चलने–फिरने में परेशानी होने लगती है। वहीं ठंडी हवा जैसे–जैसे नमी खींचती है, पैरों की मोटी स्किन और ज्यादा तेजी से डिहाइड्रेट होने लगती है। वहीं एड़ियों की स्किन वैसे भी थोड़ी कठोर होती है, इसलिए सूखते ही एड़ियां फटने लगती हैं। लंबे समय तक खड़े रहना, खुली चप्पल पहनना, बढ़ती उम्र या मोटापा यह सब इस समस्या को अधिक बढ़ा देते हैं। फटी एड़ियों के शुरूआती लक्षणों में हल्की परतें उतरना, रूखी और सख्त स्किन, पतली या गहरी दरारें और चलने में दर्द शामिल होना है। इस बार जगह–जगह पर लालपन या हल्का खून तक दिखने लगता है।

ऐसे करें पैरों की देखभाल

सर्दियों के मौसम में मॉइस्चराइजिंग सबसे जरूरी है। मोटे और गाढ़े फुट–क्रीम जैसे ग्लिसरीन, यूरिया, शिया बटर या पेट्रोलियम जेली वाली क्रीम आपकी एड़ियों को नरम रखने में मदद करती है। आप नहाने के फौरन बाद क्रीम लगाने से नमी देर तक टिकती है।

वहीं पैरों को हल्के गर्म पानी में भिगोने से स्किन नरम होती है। जिससे एक्सफोलिएट करना आसान हो जाता है। करीब 10–15 मिनट गर्म पानी में पैरों को भिगोने के बाद प्यूमिक स्टोन से धीरे–धीरे डेड स्किन को हटाएं। ध्यान रखें कि पैरों को ज्यादा न रगड़ें, वरना दरारें बढ़ सकती हैं।

बता दें कि हील बाम साधारण क्रीम से कहीं ज्यादा असरदार होती है। यह पैरों की दरारों को जल्दी भरने में मदद करती है और रात भर स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करती है। रात में सोने से पहले हील बाम लगाने से एड़ियां पहले से कहीं बेहतर लगेंगी।

इस क्रीम को लगाने के बाद सूती मोजे पहनें। इससे नमी बंद रहती है और आपके पैरों में धूल–मिट्टी भी नहीं चिपकती है। वहीं एड़ियों पर भी घर्षण कम होता है।

फुटवियर भी एड़ियों को फटने से रोकने में बड़ी भूमिक निभाता है। सर्दियों में बंद और सांस लेने वाले जूते पहनने चाहिए। इससे एड़ियां ठंडी और हवा से बचती हैं। वहीं पतले या सख्त तलवे वाले जूते पहनने से एड़ियों पर दबाव बढ़ता है।

अगर आपकी एड़ियां काफी ज्यादा फट गई हैं और आपको चलने में दर्द होता है या हल्का इंफेक्शन दिख रहा है। तो आप इस स्थिति में स्किन एक्सपर्ट या फुट केयर एक्सपर्ट से सही इलाज लें।

संक्षिप्त

इंडसइंड बैंक में HDFC समूह की एंट्री, भारतीय रिज़र्व बैंक से 9.5% हिस्सेदारी की मंजूरी

भारतीय रिज़र्व बैंक ने एचडीएफसी बैंक की विभिन्न सहयोगी इकाइयों को निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाने की अनुमति दे दी है। इस मंजूरी के तहत एचडीएफसी समूह की संस्थाएं मिलकर इंडसइंड बैंक में अधिकतम 9.5 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी खरीद सकती हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह अनुमति रिज़र्व बैंक द्वारा 15 दिसंबर को जारी पत्र के आधार पर दी गई है और इसकी वैधता एक वर्ष तक रहेगी। एचडीएफसी बैंक ने अपने बयान में कहा है कि इस मंजूरी के दायरे में उसके समूह की कई प्रमुख संस्थाएं शामिल हैं, जिनमें एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी पेंशन फंड समेत अन्य इकाइयां हैं। इन सभी इकाइयों को मिलकर इंडसइंड बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों में कुल मिलाकर 9.5 प्रतिशत तक हिस्सेदारी रखने की अनुमति दी गई है। गौरतलब है कि बाजार पूंजीकरण के लिहाज से एचडीएफसी बैंक देश का सबसे बड़ा निजी बैंक है, जबकि इंडसइंड बैंक हाल के महीनों में गंभीर चुनौतियों से जूझता नजर आया है। दरअसल, इंडसइंड बैंक ने 31 मार्च को समाप्त तिमाही में अब तक का सबसे बड़ा तिमाही घाटा दर्ज किया था। बैंक को अपने खातों में करीब 23 करोड़ डॉलर के वित्तीय झटके का सामना करना पड़ा, जो गवर्नेंस और अकाउंटिंग से जुड़ी खामियों के कारण सामने आया था। इन घटनाक्रमों के बाद बैंक के तत्कालीन सीईओ और डिप्टी सीईओ को पद छोड़ना पड़ा था। निवेशकों की ओर से भी बैंक के बोर्ड पर निगरानी में चूक और डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में हुई लेखा गड़बड़ियों की जानकारी समय पर सार्वजनिक न करने को लेकर सवाल उठाए गए हैं। इन कमियों का सीधा असर बैंक के वित्तीय प्रदर्शन पर पड़ा है। गौरतलब है कि इन घटनाओं के बाद इंडसइंड बैंक ने अपनी पूंजी स्थिति मजबूत करने के लिए बड़े कदम उठाने की योजना भी घोषित की थी। बैंक ने संकेत दिया था कि वह आने वाले समय में करीब 3.47 अरब डॉलर तक की पूंजी जुटा सकता है और प्रवर्तकों को बोर्ड में दो निदेशक नामित करने की अनुमति देगा। ऐसे समय में एचडीएफसी समूह की संस्थाओं को मिली यह नियामकीय मंजूरी बैंकिंग सेक्टर के लिए अहम मानी जा रही है और इसे इंडसइंड बैंक में भरोसे की वापसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

रिन्यू के साथ गूगल की साझेदारी, राजस्थान में 150 मेगावाट की सौर परियोजना लगेगी

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी ने मंगलवार को कहा कि उसने राजस्थान में 150 मेगावॉट की सौर ऊर्जा परियोजना विकसित करने के लिए दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस दीर्घकालिक साझेदारी के तहत गूगल इस सौर परियोजना से पैदा हुई स्वच्छ ऊर्जा और कार्बन कम करने वाले लाभ (कार्बन क्रेडिट) खरीदेगा, ताकि वह अपने व्यवसाय में प्रदूषण कम कर सके और हरित ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा सके।

यह परियोजना 2026 में चालू होने की संभावना है और इससे सालाना लगभग 4,25,000 मेगावाट–घंटे स्वच्छ बिजली का उत्पादन होगा, जो 3.6 लाख से अधिक भारतीय घरों को बिजली प्रदान करने के बराबर है। इस साझेदारी के साथ ही रिन्यू के कॉरपोरेट स्वच्छ ऊर्जा और कार्बन कटौती समाधान का पोर्टफोलियो बढ़कर अब 2.7 गीगावाट तक पहुंच गया है। रिन्यू की सह–संस्थापक एवं चेयरपर्सन वैशाली निगम सिन्हा ने कहा, गूगल के साथ यह साझेदारी भारत की स्वच्छ ऊर्जा परिवेश में बढ़ते वैश्विक विश्वास और हमारी क्षमता को दर्शाती है। गूगल की वैश्विक निदेशक (जलवायु परिचालन) वी गौड़ ने कहा, रिन्यू के साथ यह समझौता एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम है। यह एक अहम क्षेत्र में नई सौर क्षमता को ग्रिड तक पहुंचाता है और हमारी मूल्य शृंखला उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है।

आरबीआई ने लोकनेते आरडी क्षीरसागर सहकारी बैंक पर प्रतिबंध लगाया

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नासिक जिले में स्थित लोकनेते आरडी (अप्पा) क्षीरसागर सहकारी बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। बैंक में हुए कुछ घटनाक्रमों के चलते गंभीर पर्यवेक्षण संबंधी चिंताओं के कारण आरबीआई ने जमा निकासी पर रोक सहित कई पाबंदियां लगाई हैं। आरबीआई ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि पात्र जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी

निगम (डीआईसीजीसी) से पांच लाख रुपये तक की जमा बीमा राशि पाने के हकदार होंगे। बैंक पर लगाए गए ये प्रतिबंध मंगलवार को कारोबार समाप्त होने के बाद से प्रभावी हो गए हैं। आरबीआई की अनुमति के बिना बैंक न तो किसी प्रकार का नया ऋण दे सकेगा, न ही पुराने ऋण का नवीनीकरण कर सकेगा। इसके अलावा बैंक किसी तरह का निवेश नहीं करेगा, कोई नई देनदारी नहीं लेगा और न ही कोई भुगतान करेगा।

विदेशी क्रिकेटर से जुड़ा नियम बना बहस का मुद्दा! 25.20 करोड़ की बोली के बावजूद ग्रीन को मिलेंगे 18 करोड़

नियम सख्त है, लेकिन बेकार नहीं। यह नियम फ्रेंचाइजी को नियंत्रण देता है कि फ्रेंचाइजी भारतीय खिलाड़ियों को प्राथमिकता दे सके। ठब्ब् प्लेयर वेलफेयर के लिए अतिरिक्त फंड देता है और विदेशी खिलाड़ी के लिए भी। इसलिए भले ही यह नियम विवादित हो, लेकिन पूरी तरह गलत भी नहीं कहा जा सकता।

अबू धाबी। आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी के बाद एक नियम ने क्रिकेट जगत में जबरदस्त बहस छेड़ दी है। यह नियम विदेशी खिलाड़ियों की सैलरी से जुड़ा है, जिसके तहत कोई भी विदेशी खिलाड़ी, चाहे उस पर कितनी भी बड़ी बोली क्यों न लगे, 18 करोड़ रुपये से ज्यादा नहीं कमा सकता। यह नियम पहली बार IPL 2025 की मेगा नीलामी में लागू किया गया था और अब इसे इस बार भी बरकरार रखा गया है। बाहर से देखने पर यह नियम भ्रम पैदा करता है, लेकिन इसके पीछे BCCI की एक स्पष्ट सोच और फ्रेंचाइजियों की चिंता जुड़ी हुई है।

नियम क्या है? आसान भाषा में समझिए

आईपीएल के नए नियम के मुताबिक, किसी भी विदेशी खिलाड़ी की अधिकतम सैलरी सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी की रिटेंशन स्लैब से ज्यादा नहीं हो सकती। मिनी ऑक्शन के मामले में यह स्लैब 18 करोड़ रुपये तय की गई है। उदाहरण से समझिए। मान लीजिए किसी विदेशी खिलाड़ी पर नीलामी में 30 करोड़ रुपये की बोली लगती है, लेकिन उसे सैलरी मिलेगी सिर्फ 18 करोड़ रुपये। बाकी 12 करोड़ रुपये ठब्ब् के प्लेयर वेलफेयर फंड में चले जाएंगे। फ्रेंचाइजी को फिर भी पूरे 30 करोड़ अपने पर्स से चुकाने होंगे। यानी बोली पूरी लगेगी, लेकिन खिलाड़ी को पूरा पैसा नहीं मिलेगा।

भारतीय खिलाड़ियों पर यह नियम क्यों लागू नहीं?

यह नियम सिर्फ विदेशी खिलाड़ियों के लिए है। भारतीय खिलाड़ी पूरी बोली की रकम पाने के हकदार हैं। इसी का उदाहरण IPL 2025 मेगा ऑक्शन में दिखा, जब ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा गया, उन्हें पूरी सैलरी मिली। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने।

हालांकि, इस बार कैमरन ग्रीन 25.20 करोड़ में बिके और केकेआर ने उन्हें खरीदा। हालांकि, उन्हें फिर भी 18 करोड़ ही मिलेंगे और बाकी की रकम बीसीसीआई वेलफेयर फंड में जाएगी। 7.20 करोड़ रुपये उनकी सैलरी से कट जाएंगे।

ठब्ब् ने यह नियम क्यों बनाया?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बदलाव के पीछे फ्रेंचाइजियों की शिकायतें अहम वजह रहीं। कई टीमें इस बात से नाराज थीं कि कुछ विदेशी खिलाड़ी जानबूझकर मेगा ऑक्शन छोड़ते हैं। फिर मिनी ऑक्शन में एंट्री लेकर सीमित विकल्पों के चलते महंगी बोली हासिल करते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए बीसीसीआई ने दो बड़े फैसले लिएरू

1. ऑक्शन से नाम वापस लेने पर बैनः रजिस्ट्रेशन के बाद ऑक्शन से हटने वाले खिलाड़ी पर दो साल का IPL बैन

2. विदेशी खिलाड़ियों की सैलरी पर कैपरू भारतीय खिलाड़ियों को प्राथमिकता और विदेशी खिलाड़ियों की अधिकतम कमाई सीमित।

क्यों हो रहा है विरोध?

सोशल मीडिया और विदेशी क्रिकेट फैंस का तर्क सीधा है, अगर बाजार किसी खिलाड़ी को ज्यादा कीमत दे रहा है, तो उसे पूरी रकम क्यों न मिले? कुछ लोगों ने इसे भारतीय पहले नीति और जरूरत से ज्यादा सख्ती बताया है।

क्या यह नियम प्ज्स् को नुकसान पहुंचा सकता है?

फिलहाल नहीं। आईपीएल अब भी दुनिया की सबसे आकर्षक टी20 लीग है, लेकिन खतरा तब पैदा हो सकता है जब दूसरी इंटरनेशनल लीग्स विदेशी खिलाड़ियों को इससे ज्यादा सुरक्षित और खुली कमाई दें। तब विदेशी सितारे आईपीएल को प्राथमिकता देना छोड़ सकते हैं। हालांकि मौजूदा हालात में ऐसा होना मुश्किल माना जा रहा है।

`धोनी का हमेशा आभारी रहूंगा', सीएसके से विदाई पर भावुक हुए मथीशा पथिराना

KKR से शुरू करेंगे नया सफर

नई दिल्ली। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) को अलविदा कहते हुए एक बेहद भावुक संदेश लिखा है। आईपीएल 2026 ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) से जुड़ने के बाद पथिराना ने सोशल मीडिया पर सीएसके, टीम मैनेजमेंट और खास तौर पर महेंद्र सिंह धोनी के प्रति आभार जताया। 22 वर्षीय पेसर ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, भरोसा और एक परिवार दिया। पथिराना ने 2022 से 2025 तक सीएसके के लिए खेलते हुए टीम के प्रमुख गेंदबाजों में अपनी पहचान बनाई। चार सीजन में उन्होंने कुल 32 मुकाबले खेले और 47 विकेट अपने नाम किए। आईपीएल 2023 में सीएसके की खिताबी जीत में उनका अहम योगदान रहा, जहां

उन्होंने 19 विकेट लिए और औसत 19.53 का रहा। उनकी तेज यॉर्कर और स्लिंग एक्शन ने उन्हें धोनी का भरोसेमंद गेंदबाज बना दिया।आईपीएल 2024 में पथिराना चोट के कारण सिर्फ छह मैच खेल पाए, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 13 विकेट झटके।

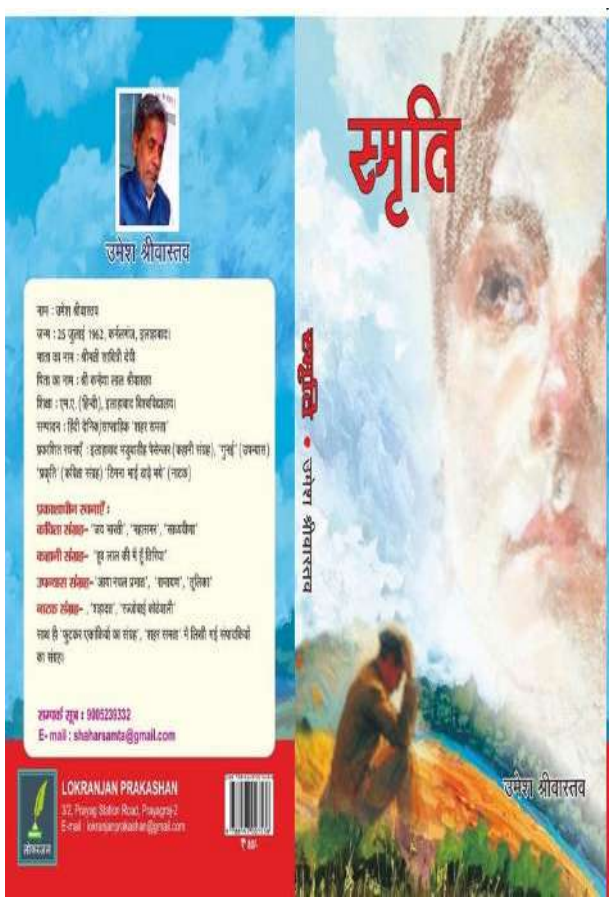

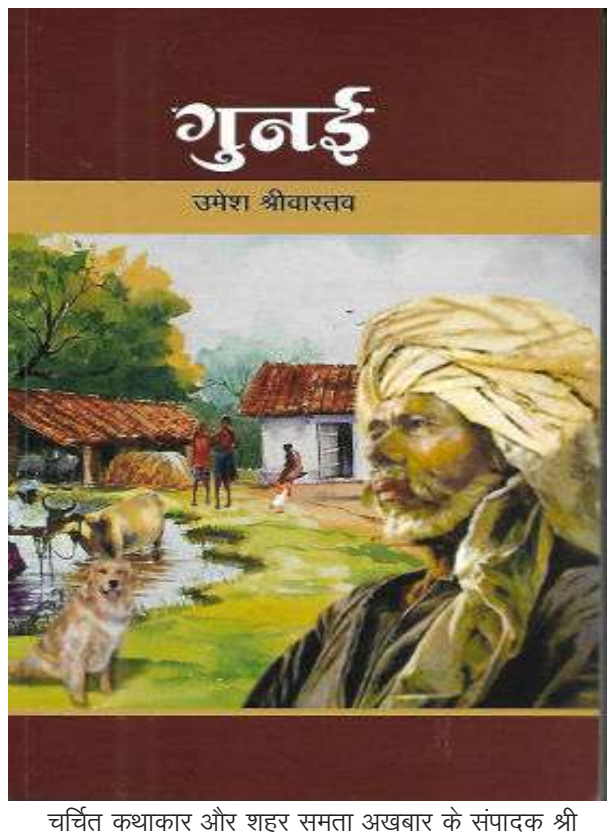

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

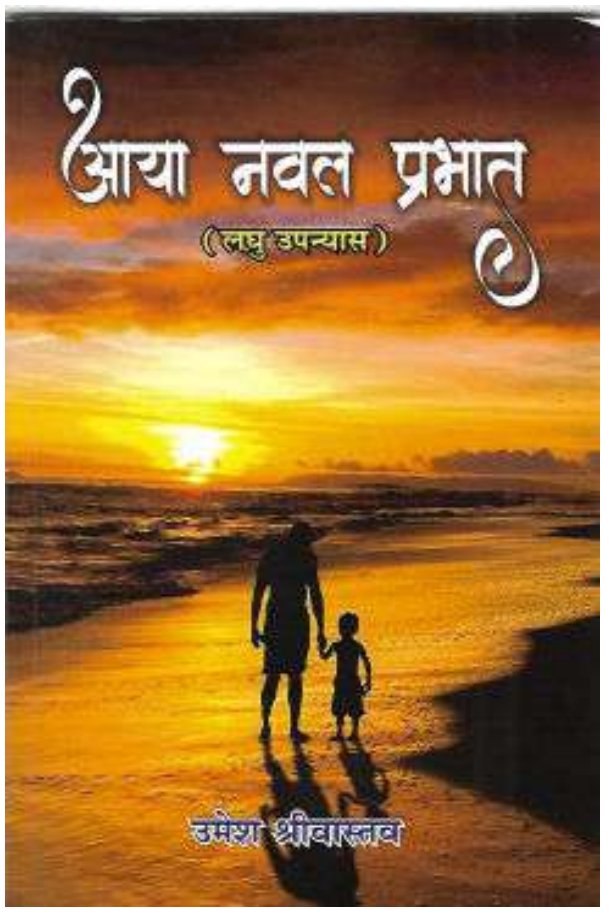

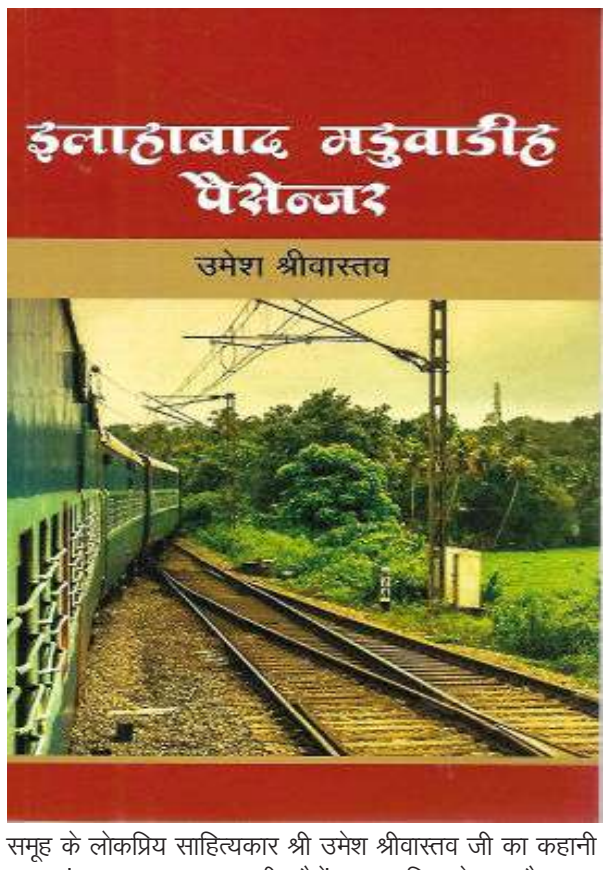

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

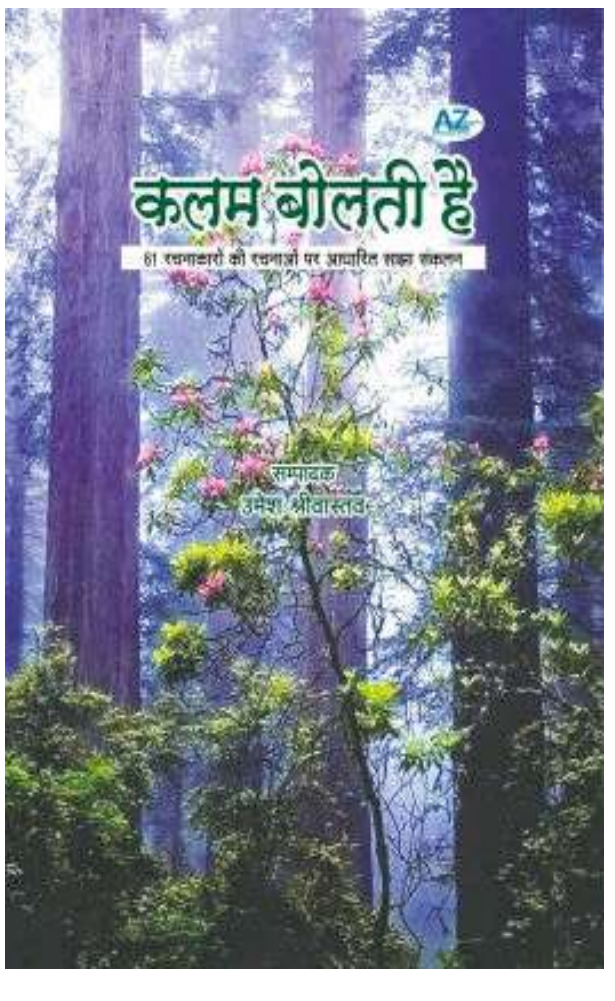

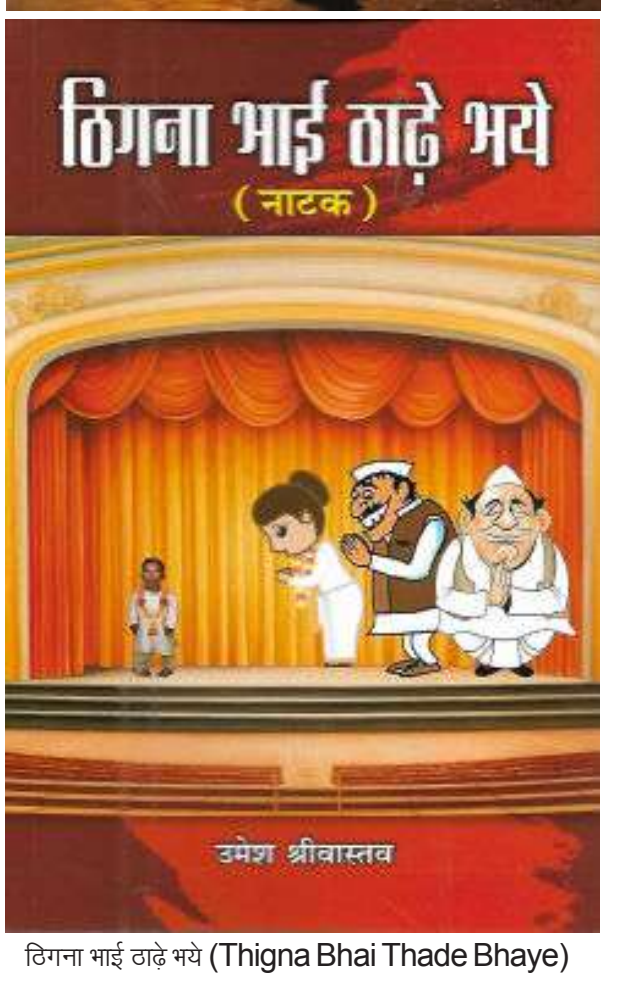

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

Trump ने Venezuela में 'प्रतिबंधित तेल टैंकरों' की नाकेबंदी का आदेश दिया, मादुरो पर दबाव बढ़ा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने वेनेजुएला में आने–जाने वाले सभी ''प्रतिबंधित तेल टैंकरों'' की नाकेबंदी का आदेश दिया है। इस कदम से दक्षिण अमेरिकी देश के नेता निकोलस मादुरो पर दबाव और बढ़ गया है तथा इसका उद्देश्य वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को और कमजोर करना प्रतीत होता है। यह घोषणा उस घटना के एक

सप्ताह बाद आई है, जब अमेरिकी बलों ने वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर जब्त किया था। यह असामान्य कार्रवाई क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य जमावड़े के बाद की गई थी। मंगलवार रात को सोशल मीडिया पर नाकेबंदी की घोषणा करते हुए ट्रंप ने आरोप लगाया कि वेनेजुएला तेल का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अपराधों के वित्तपोषण के लिए कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका सैन्य दबाव तब तक बढ़ाता रहेगा, जब तक वेनेजुएला अमेरिका को उसका तेल, ज़मीन और संपत्तियां लौटा नहीं देता। ट्रंप ने कहा, ''दक्षिण अमेरिका के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी नौसेना द्वारा वेनेजुएला को पूरी तरह घेर लिया गया है।'' वहीं, वेनेजुएला सरकार ने बयान जारी कर आरोप लगाया कि ट्रंप अंतरराष्ट्रीय कानून, मुक्त व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता का उल्लंघन कर रहे हैं। उसने कहा कि अमेरिका इस कथित नौसैनिक नाकेबंदी के जरिए देश की संपदा लूटना चाहता है और इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाया जाएगा। अमेरिकी सैन्य अभियान के तहत कैरेबियाई सागर और पूर्वी प्रशांत में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नावों पर कई हमले किए गए हैं, जिनमें कम से कम 95 लोगों की मौत हुई है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह अभियान अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी रोकने के लिए है। हालांकि, राष्ट्रपति की चीफ ऑफ स्टाफ सुसी वाइल्स ने मंगलवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में संकेत दिया कि इसका उद्देश्य मादुरो को सत्ता से हटाना भी है। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है और वह प्रतिदिन लगभग 10 लाख बैरल तेल का उत्पादन करता है।

United States ने एक और लातिन अमेरिकी मादक पदार्थ गिरोह को आतंकवादी संगठन घोषित किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मंगलवार को एक और लातिन अमेरिकी मादक पदार्थ गिरोह को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया, जिससे उसके सदस्यों पर वित्तीय दबाव बढ़ गया है और उनके खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई का रास्ता भी खुल गया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कोलंबिया स्थित 'क्लान डेल गोल्फो' को विदेशी आतंकवादी संगठन और वैश्विक आतंकवादी समूह दोनों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। विभाग ने इसे ''हिंसक और शक्तिशाली आपराधिक संगठन'' बताते हुए कहा कि यह कोकीन की तस्करी के जरिए हिंसक गतिविधियों को वित्तपोषित करता है। बयान में कहा गया, ''क्लान डेल गोल्फो कोलंबिया में सार्वजनिक अधिकारियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सैन्य कर्मियों और आम नागरिकों पर आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार है।'' यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब सितंबर में ट्रंप प्रशासन ने लगभग 30 वर्षों में पहली बार कोलंबिया को मादक पदार्थ विरोधी सहयोग में विफल देशों की सूची में डाला था। यह अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी के लिए कड़ी फटकार मानी गई, जो कोकीन उत्पादन में हालिया बढ़ोतरी और कोलंबिया के वामपंथी राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के साथ बिगड़ते संबंधों को दर्शाती है। अमेरिका ने मादक पदार्थ गिरोहों को फलने–फूलने देने के आरोप में अक्टूबर में पेट्रो पर भी प्रतिबंध लगाए थे। करीब 9,000 लड़ाकों वाले 'क्लान डेल गोल्फो' समूह को 'एजीसी' के नाम से भी जाना जाता है। यह 1990 और 2000 के दशक में मार्क्सवादी गुरिल्लाओं से लड़ने वाले दक्षिणपंथी अर्धसैनिक समूहों से विकसित हुआ। एक सरकारी एजेंसी 'ह्यूमैन राइट्स डिफेंडर्स ऑफिस' की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह समूह कोलंबिया की लगभग एक–तिहाई नगरपालिकाओं में सक्रिय है और उस पर बच्चों की भर्ती जैसे गंभीर आरोप भी हैं।

नीरव मोदी की प्रत्यर्पण अपील पर सुनवाई अगले साल मार्च तक टली

भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की प्रत्यर्पण अपील पर सुनवाई मंगलवार को अगले साल मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई। नीरव मोदी ने ब्रिटेन के उच्च न्यायालय में अपनी प्रत्यर्पण अपील पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया था। मामले की सुनवाई मुंबई में नीरव मोदी की हिरासत के संबंध में भारतीय अधिकारियों द्वारा दिए गए ठोस आश्वासन के बाद स्थगित की गई। अदालत में सुनवाई के दौरान यह बात सामने आयी कि प्रत्यर्पण के लिए कानूनी बाधा से संबंधित एक 'गोपनीय प्रक्रिया' (जिसे आश्रय आवेदन माना जाता है) संभवतः अगस्त में विफल हो गई थी। पंजाब नेशनल बैंक ऋण घोटाला मामले में अदालत में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कर रही 'क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस' ने तर्क दिया कि प्रत्यर्पण अपील पर फिर से विचार किए जाने का आवेदन उस 'गोपनीय प्रक्रिया' के कथित तौर पर समाप्त हो जाने के कुछ ही दिनों बाद तत्काल रूप से सामने आया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

बोल रहे थे मोदी, अचानक रोका भाषण, फिर जो कहा– हिले 57 मुस्लिम देश!

प्रधानमंत्री मोदी को एक और बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला है। इस बार अफ्रीकी देश इथियोपिया ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया से सम्मानित किया है। ग्रेट ओनर निशान ऑफ इथोपिया के रूप में इस देश का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया है। आप सबके बीच होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैंने आज दोपहर ही इथोपिया में कदम रखा है और आते ही मुझे यहां के लोगों से एक अद्भुत अपनापन और आत्मीयता मिली है। प्रधानमंत्री जी स्वयं मुझे एयरपोर्ट पर लेने आए। फ्रेंडशिप पार्क और साइंस म्यूजियम लेकर गए। आज शाम यहां की लीडरशिप से मेरी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हुई है। यह सब अपने आप में एक अविस्मरणीय अनुभव है। फ्रेंड्स अभी अभी मुझे ग्रेट ओनर निशान ऑफ इथोपिया के रूप में इस देश का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया है। विश्व की अति प्राचीन और समृद्ध सभ्यता द्वारा सम्मानित किया जाना मेरे लिए बहुत गौरव की बात है। मैं सभी भारतवासियों की ओर से इस सम्मान को पूरी विनम्रता और कृतज्ञता से ग्रहण करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि यह सम्मान उन अनगिनत भारतीयों का है जिन्होंने हमारी साझेदारी को आकार दिया। 1896 के संघर्ष में सहयोग देने वाले गुजराती व्यापारी हो इथोपियन मुक्ति के लिए लड़ने वाले भारतीय सैनिक हो या शिक्षा और निवेश के माध्यम से भविष्य संवारने वाले भारतीय शिक्षक और उद्योगपति और यह सम्मान उतना ही इथोपिया के हर उस नागरिक का भी है जिसने भारत पर विश्वास रखा और इस संबंध को हृदय से समृद्ध किया। फ्रेंड्स आज इस अवसर पर मैं अपने मित्र प्रधानमंत्री अभी अहमद अली का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। एक्सीलेंसी पिछले महीने जब हम साउथ अफ्रीका में जी20 समिट के दौरान मिले थे तो आपने बहुत स्नेह और अधिकार से मुझसे इथोपिया की यात्रा करने का आग्रह किया था। मैं अपने मित्र, अपने भाई का यह स्नेह निमंत्रण भला कैसे टाल सकता था? इसलिए पहला मौका मिलते ही मैंने इथोपिया आने का निश्चय कर लिया। फ्रेंड्स यह विजिट अगर नॉर्मल डिप्लोमेटिक तौर तरीके से होती तो शायद बहुत समय लग जाता। लेकिन आप लोगों का यही प्यार और अपनापन मुझे सिर्फ 24 ही दिन में यहां खींच के ले आया। फ्रेंड्स आज जब पूरे विश्व की नजर ग्लोबल साउथ पर है। ऐसे में इथोपिया की स्वाभिमान, स्वतंत्रता और आत्म गौरव की चीर कालीन परंपरा हम सभी के लिए सशक्त प्रेरणा है। यह सौभाग्य की बात है। इस महत्वपूर्ण कालखंड में इथोपिया की बागडोर डॉक्टर अभी के कुशल हाथों में है। अपने मेडमर की सोच और विकास के संकल्प के साथ वे जिस तरह से इथोपिया को प्रगति पथ पर आगे ले जा रहे हैं। वह पूरे विश्व के लिए एक उज्जवल उदाहरण है। पर्यावरण संरक्षण हो, इंक्लूसिव डेवलपमेंट हो या फिर विविधता भरे समाज में एकता बढ़ाना, उनके प्रयास, प्रयत्नों और प्रतिबद्धता की मैं हृदय से सराहना करता हूं। फ्रेंड्स भारत में हमारा मानना रहा है कि सा विद्या विमुक्तय यानी नॉलेज लिबरेट्स शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आधारशिला है और मुझे गर्व है कि इथोपिया और भारत के संबंधों में सबसे बड़ा योगदान हमारे शिक्षकों का रहा है। इथोपिया की महान संस्कृति ने इन्हें यहां आकर्षित किया और उन्हें यहां के कई पीढ़ियों को तैयार करने का सौभाग्य मिला।

शेख हसीना का हिसाब करो....बांग्लादेश की भारत को गीदड़ भभकी

भारत के विदेश मंत्रालय ने ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम रियाज़ हामिदुल्लाह को तलब किया। यह तलब बांग्लादेश में अस्थिरता की स्थिति में सात बहनों को अलग–थलग करने और पूर्वोत्तर के अलगाववादियों को शरण देने की धमकी देने वाले राष्ट्रीय नागरिक दल (एनसीपी) के नेता हसनत अब्दुल्ला के भारत विरोधी बयानों के बाद जारी की गई है। अब्दुल्ला अपने कड़े भारत विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले, भारत के दिल्ली स्थित बांग्लादेश दूतावास में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ बांग्लादेश विजय दिवस मनाया गया। उच्चायुक्त एम रियाज़ हामिदुल्लाह ने बांग्लादेश की अपने लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और देश की युवा आबादी को उजागर किया। हमीदुल्लाह ने इस बात पर ज़ोर दिया कि बांग्लादेश और भारत के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध हैं, जिनका केंद्र बिंदु समृद्धि, शांति और क्षेत्रीय सुरक्षा है। उन्होंने दोनों देशों की परस्पर निर्भरता का उल्लेख करते हुए उनकी साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पूरा बांग्लादेश, और हम सभी, अपने लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी जनसंख्या में युवा आबादी बहुत अधिक है... हमारा मानना छहै कि भारत के साथ हमारा संबंध हमारे साझा हित में है। हमारी परस्पर निर्भरता है... हम क्षेत्र में समृद्धि, शांति और सुरक्षा पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में बांग्लादेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत का प्रदर्शन किया गया और उसकी मुक्ति एवं स्वतंत्रता का जश्न मनाया गया। उच्चायुक्त के संबोधन में बांग्लादेश की अपने लोगों के हितों को आगे बढ़ाने और भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता झलकती है। इस बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन, अंतरिम सरकार और बांग्लादेश की जनता को विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। बांग्लादेश स्थित भारतीय उच्चायोग ने बताया कि मुक्ति युद्ध की 54वीं वर्षगांठ के अवसर पर, आठ वीर मुक्तिजोद्धा और बांग्लादेश सशस्त्र बलों के दो सेवारत अधिकारी 14 दिसंबर 2025 को कोलकाता में विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए भारत पहुंचे। इसी प्रकार, आठ भारतीय युद्ध अनुभवी और भारतीय सशस्त्र बलों के दो सेवारत अधिकारी 15 दिसंबर 2025 को बांग्लादेश के विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए ढाका पहुंचे।

'ड्रग्स लेते थे मस्क, हर घटना के पीछे साजिश देखते हैं वेंस', अमेरिकी अफसर का दावा

वॉशिंगटन डीसी। व्हाइट हाउस की वरिष्ठ अधिकारी सूसी वाइल्स ने एक पत्रिका को दिए इंटरव्यू में चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीब लोगों के बारे में स्पष्ट और आलोचनात्मक टिप्पणियां कीं। उन्होंने यह भी कहा कि टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क केटामाइन (ड्रग) का सेवन करते थे। उन्होंने उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को

शबिना सबूतों के हर बड़ी घटना के पीछे गोपनीय साजिश मानने वाला व्यक्तिश और बजट प्रमुख रस वॉट को श्कट्टर दक्षिणपंथीश बताया। उन्होंने जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को संभालने के तरीके को लेकर अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी की भी आलोचना की। इस इंटरव्यू के सामने आने के व्हाइट हाउस ने उनके बयानों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया। हालांकि, सूसी वाइल्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस खबर में जरूरी संदर्भों को नजरअंदाज किया गया और इसे जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने सूसी वाइल्स का समर्थन करते हुए कहा कि ट्रंप के पास सूसी से बड़ा या उनसे ज्यादा वफादार सलाहकार कोई नहीं है। लीविट ने एक्स पर कहा, श्पूरा प्रशासन उनके स्थिर नेतृत्व के लिए आभारी है और पूरी तरह उनके साथ खड़ा है।श लेकिन यह इंटरव्यू फिर से राष्ट्रपति और उनकी नीतियों पर सवाल खड़े कर सकता है और पुराने मतभेद, खासकर मस्क के साथ फिर से टकराव पैदा कर सकता है। वाइल्स ने मस्क के बारे में कहा, वह पूरी तरह अकेले काम करने वाले व्यक्ति हैं। एलन के साथ चुनौती यह है कि उनकी गति के साथ कदम मिलाना मुश्किल है। जब उनसे पूछा गया कि मस्क ने एक्स पर जो पोस्ट शेयर की थी, जिसमें कहा गया था कि सरकारी कर्मचारी एडॉल्फ हिटलर, जोसेफ स्टालिन और माओ जेदोंग के समय लाखों मौतों के लिए जिम्मेदार थे, इसके बारे में उनका क्या विचार है, तो वाइल्स ने कहा, मुझे लगता है उस समय वह हल्का ड्रग (माइक्रोडोजिंग) का इस्तेमाल कर रहे थे। हालांकि, वाइल्स ने माना कि उन्हें मस्क के ड्रग इस्तेमाल की प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है। मस्क और टेस्ला के प्रतिनिधियों ने इस बारे में तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। मस्क ने इस साल पहले न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि वह केटामाइन और अन्य दवाओं का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कई साल पहले डॉक्टर की सलाह पर केटामाइन आजमाया था, लेकिन उसके बाद कभी इसका इस्तेमाल नहीं किया। मस्क ने सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व किया था, जिसका मकसद संघीय सरकार और उसके कर्मचारियों की संख्या कम करना था। उन्होंने शुरुआत में यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट को बंद करने का लक्ष्य रखा। इस कदम ने वॉशिंगटन को चौंका दिया था और कई मानवीय कार्यक्रमों के बंद होने का कारण बना था। वाइल्स ने कहा कि जब मस्क ने ऐसे कार्यक्रम बंद किए जिन्हें ट्रंप बचाना चाहते थे, तो वह श्शुरुआत में हैरानश रह गईं और उन्होंने मस्क का सामना किया। वाइल्स ने बताया, एलन का रवैया है कि काम जल्दी करना जरूरी है।

डोनाल्ड ट्रंप की चाल में बुरी तरह फँस गये असीम मुनीर

अमेरिका की बात मानी तो पाकिस्तानी मारेंगे, नहीं मानी तो ट्रंप नहीं छोड़ेंगे

पाकिस्तान के सबसे ताकतवर सैन्य प्रमुखों में शुमार फील्ड मार्शल असीम मुनीर इस समय अपने जीवन की सबसे कठिन परीक्षा का सामना कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिका इस समय पाकिस्तान पर दबाव बना रहा है कि वह गाजा में प्रस्तावित शांति सेना के लिए अपने सैनिक भेजे। विश्लेषकों का कहना है कि यह कदम पाकिस्तान के भीतर जबरदस्त राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है। बताया जा रहा है कि अमेरिका के इस आदेश को देखते हुए असीम मुनीर जल्द ही वॉशिंगटन जा सकते हैं। वहां उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात का कार्यक्रम तय हो चुका है। पिछले छह महीनों में

मुनीर और ट्रंप की यह तीसरी मुलाकात होगी। इस बैठक का मुख्य एजेंडा गाजा में पाकिस्तानी सेना की तैनाती ही होगी। हम आपको बता दें कि ट्रंप की 20 सूत्रीय गाजा योजना में यह भी शामिल है कि मुस्लिम देशों की एक सैन्य टुकड़ी गाजा में पुनर्निर्माण और आर्थिक पुनरुद्धार के कार्यों की निगरानी करे। उल्लेखनीय है कि यह इलाका पिछले दो वर्षों से इज़रायली बमबारी में तबाह हो चुका है। वैसे सिर्फ पाकिस्तान नहीं बल्कि कई देश अमेरिका के इस मिशन को लेकर सशंकित हैं क्योंकि इसमें हमास को निरस्त्र करने का जोखिम शामिल है, जो उन्हें सीधे संघर्ष में घसीट सकता है और उनके अपने देशों में फिलिस्तीन समर्थक तथा इज़रायल विरोधी जनभावनाओं को भड़का सकता है। लेकिन पाकिस्तान की समस्या यह है कि मुनीर ने ट्रंप के साथ करीबी रिश्ते बना लिए हैं इसलिए अमेरिका का आदेश टालना बड़ा मुश्किल होगा। हम आपको याद दिला दें कि इस साल जून महीने में ट्रंप ने मुनीर को व्हाइट हाउस में अकेले दोपहर के भोजन पर बुलाया था। यह पहला मौका था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को बिना किसी असैन्य नेता के आमंत्रित किया था। दूसरी ओर, गाजा में पाकिस्तानी सेना के मुद्दे को लेकर विशेषज्ञ अलग–अलग राय व्यक्त कर रहे हैं। वॉशिंगटन स्थित अटलांटिक काउंसिल के विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन के अनुसार, "यदि पाकिस्तान गाजा बल में योगदान नहीं देता, तो ट्रंप नाराज़ हो सकते हैं।श्श उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान जैसे देश के लिए गंभीर समस्या है, जो अमेरिकी निवेश और सुरक्षा सहायता के लिए ट्रंप की कृपा खुद पर बनाए रखना चाहता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप पाकिस्तानी सेना की मांग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उसके पास युद्ध लड़ने का अनुभव है, भले वह भारत के साथ सारे युद्ध हार चुकी हो लेकिन पाकिस्तान के अंदर विद्रोह और आतंकवाद से निबटने का उसे अच्छा खासा अनुभव है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान की इसी सैन्य क्षमता के कारण मुनीर पर कुछ कर दिखाने का दबाव और बढ़ गया है। हम आपको यह भी बता दें कि हाल ही में मुनीर को थल, वायु और नौसेना, तीनों का प्रमुख यानि सीडीएफ नियुक्त किया गया है और उनका कार्यकाल 2030 तक बढ़ा दिया गया है। उन्हें आजीवन फील्ड मार्शल का दर्जा और संवैधानिक संशोधनों के तहत किसी भी आपराधिक मुकदमे से स्थायी छूट भी मिल चुकी है। यही नहीं, हाल के हफ्तों में मुनीर ने इंडोनेशिया, मलेशिया, सऊदी अरब, तुर्की, जॉर्डन, मिस्र और कतर के नेताओं से मुलाकात की है, जिसे गाजा बल पर परामर्श के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन पाकिस्तान के भीतर सबसे बड़ा खतरा इस बात का है कि अमेरिकी समर्थित योजना के तहत गाजा में पाकिस्तानी सैनिक भेजे गए तो इस्लामवादी दल सड़कों पर उतर सकते हैं। हम आपको बता दें कि कट्टरपंथी इस्लामी दलों में जनसमर्थन और भीड़ जुटाने की ताकत है। पाकिस्तान में एक हिंसक और कट्टर इज़रायल विरोधी संगठन को हाल ही में प्रतिबंधित किया गया है, लेकिन उसकी विचारधारा अब भी जिंदा है। इसके अलावा, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी भी मुनीर के खिलाफ अवसर की तलाश में है। देखा जाये तो असीम मुनीर आज पाकिस्तान के इतिहास में शायद सबसे शक्तिशाली सैन्य शासक हैं, लेकिन यही शक्ति अब उनके लिए सबसे बड़ा बोझ बनती जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप का गाजा प्रस्ताव उनके सामने ऐसा शतरंजी चाल बनकर आया है, जिसमें हर कदम हार की ओर जाता दिखता है। यदि मुनीर गाजा में पाकिस्तानी सेना भेजते हैं, तो वह पाकिस्तान के भीतर आग से खेलने जा रहे होंगे। इज़रायल के नाम पर सड़कों पर उतरने वाले कट्टरपंथी दल, पहले से ही आर्थिक बदहाली और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे देश में विस्फोटक माहौल बना सकते हैं। श्असीम मुनीर इज़रायल के लिए काम कर रहे हैंश, यह नारा मिनटों में गूंज सकता है। ऐसे में पाकिस्तानी सेना, जो खुद टीटीपी और अन्य आतंकवादी संगठनों से लड़ रही है, वह एक नए वैचारिक मोर्चे में फंस जाएगी। दूसरी ओर, यदि मुनीर गाजा में सेना भेजने से इंकार करते हैं, तो उन्हें ट्रंप का गुस्सा झेलना पड़ेगा। यह गुस्सा केवल बयानबाज़ी तक सीमित नहीं रहेगा। अमेरिकी निवेश, आईएमएफ का समर्थन, सैन्य सहायता और कूटनीतिक संरक्षण सब दांव पर लग सकते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।